RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले...

वर्ष : 27 अंक : 297 website:www.chetnamanch.com नोएडा, बुधवार, 15 अक्टूबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, गुरूग्राम में फोड़ें 'ग्रीन पटाखे'

सुप्रीम कोर्ट ने दी अनुमति, दौड़ी खुशी की लहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और गुरूग्राम में रहने वालों के लिए दिवाली से पहले अच्छी खबर है। सुप्रीम कोर्ट ने दिवाली से पहले पटाखों को लेकर बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने 18 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक दिल्ली-NCR में ग्रीन पटाखे बेचने और जलाने की इजाजत दी है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से लोगों में खुशी की लहर दौड़ गई है। अब लोग बिना किसी डर के ग्रीन पटाखे खरीद और जला सकेंगे।

सीजीआई बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन द्वारा कहा गया कि हमने सॉलिसिटर और एमिकस के सुझावों पर विचार किया है। हमने देखा है कि इंडस्ट्री को चिंता है। पारंपरिक पटाखों की स्मगलिंग होती है, जिससे ज्यादा नुकसान होता है। हमें एक बैलेंस्ड तरीका अपनाना होगा। हरियाणा के 22 जिलों में से 14 जिले एनसीआर में आते हैं। इसको रोकने के लिए दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने का विकल्प ठीक रहेगा। कोर्ट ने कहा कि पेट्रोल टीमें पटाखे बनाने वालों की रेगुलर जांच करेंगी और उनके क्यूआर कोड साइट पर अपलोड करने होंगे।

कोर्ट ने रखी शर्त

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 18 से 21 अक्टूबर के बीच पटाखे फोड़ने की अनुमति केवल सुबह 6 बजे से 7 बजे तक और रात 8 बजे से 10 बजे तक ही होगी।

दिवाली पर मुफ्त गैस सिलेंडर का उपहार

मुख्यमंत्री ने 1.500 करोड़ की सब्सिडी की जारी

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के रहने वालों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली पर मुफ्त गैस सिलेंडर का उपहार दिया है। इससे उत्तर प्रदेश के 1.86 करोड़ परिवार लाभांवित होंगे। नि:शुल्क सिलेंडर के लिए योगी सरकार ने 1.500 करोड़ की धनराशि की सब्सिडी जारी की है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को लोकभवन सभागार में उज्जवला योजना के तहत पात्र महिलाओं को मुफ्त सिलेंडर रिफिल का उपहार दिया। इस मौके पर उन्होंने रिफिल की धनराशि महिलाओं के खाते में भेजी। सीएम ने 10 महिलाओं को प्रतीकात्मक रूप से रिफिल की धनराशि मंच पर प्रदान की। इसके अलावा, मुख्यमंत्री योगी ने उज्ज्वला योजना की लाभार्थी एक करोड़ 86 लाख महिलाओं के खाते में 1500 करोड़ रुपये की सब्सिडी भेजी।

इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2014 से पहले गरीब महिलाओं को लकड़ी और कोयले में खाना पकाना पड़ता था जिससे उनके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता था। उन्हें जिंदगी भर इलाज करवाना पड़ता था। नरेंद्र मोदी के (शेष पृष्ठ-3 पर)

सीएम योगी की अपील दिवाली पर स्वदेशी अपनाएं

सीएम योगी ने कहा कि दिवाली आ रही है। ऐसे में ध्यान रखें और स्वदेशी अपनाएं। दिया जलाएं तो अपने ही कुम्हार से बनाया हुआ हो। मूर्ति वहीं प्रयोग करें जो स्वदेशी मूर्तिकार की बनी हुई हो। दिवाली के मौके पर किसी गरीब की मदद जरूर करें।

सेक्टर-12 के मंदिर से लाखों रुपये की चोरी

ताला तोड़कर चाँदी के छत्र चुरा ले गये, सेक्टरवासियों में आक्रोश

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-24 कोतवाली क्षेत्र के सेक्टर-12 के वी ब्लॉक स्थित शिव दुर्गा मंदिर में चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर लाखों रूपये के चाँदी के छत्र चोरी कर लिए। मंदिर समिति के पं.भगनानंद सेमवाल तथा महासचिव कपिल उप्पल ने चोरी की तहरीर देकर पुलिस से शिकायत की है।

तहरीर में कहा गया है कि देर रात अज्ञात चोरों ने मंदिर का ताला तोड़कर शिवलिंग पर लगी चाँदी की परत तथा (शेष पृष्ठ-3 पर)

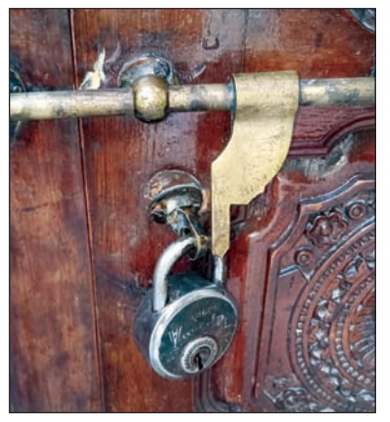

निर्माणाधीन मकान में चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर क्षेत्र के बांगर मंगरौली रोड पर एक निर्माणाधीन मकान से चोरों ने बिजली तार के 13 बंडल, आठ डायवर्टर जैक तथा जनरेटर की मोटर से कॉपर का तार चोरी कर लिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

खुर्जा निवासी चौधरी महेंद्र सिंह ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह बांगर मंगरौली रोड जेवर पर स्थित अपने प्लॉट पर निर्माण कार्य कर रहे हैं। उनके निर्माणाधीन मकान में बिजली की फिटिंग का काम चल रहा है। 25 सितंबर को अज्ञात चोरों ने 10 बंडल तार चोरी कर लिए। चोरों ने दोबारा 6 अक्टूबर को भी चोरी की घटना को अंजाम देकर तीन बंडल तार, आठ डायवर्टर जैक, जनरेटर की मोटर से कॉपर का तार आदि चोरी कर लिया। पुलिस का कहना है कि पीड़ित के शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

ऑनलाइन धमकी व ब्लैकमेल करके तुड़वाना चाहता है शादी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में रहने वाली एक युवती की शादी तुड़वाने के लिए राजस्थान का रहने वाला युवक ऑनलाइन धमकी देकर युवती को ब्लैकमेल करके उसकी शादी तुड़वाना चाह रहा है। आरोपी युवक ने पीड़िता की पुरानी निजी फोटो व चैट्स भी सोशल मीडिया पर वायरल की है। युवक ने पीड़ित युवती को जान से मारने तथा तेजाब फेंकने की धमकी भी दी है। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर-39 में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-45 में रहने वाली मोनिका (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि मूल रूप से राजस्थान का रहने वाला क्षितिज शर्मा उसे साइबर स्टैकिंग एवं ऑनलाइन उत्पीड़न कर रहा है। वह

व्हाट्सएप, एसएमएस फोन कॉल्स तथा सोशल मीडिया के माध्यम से उसके खिलाफ अपमानजनक व अशोभनीय मैसेज भेज रहा है। क्षितिज शर्मा की इस हरकत से उसके परिवार, मंगेतर तथा सहकर्मियों को खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। पीड़िता का कहना है कि आरोपी उसकी निजी तस्वीरें और चैट्स को अपने पास रखकर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेलिंग कर रहा है। उसने जब इसका विरोध

गाजियाबाद में दो जगह मुठभेड़

गोली लगने से दो बदमाश घायल

गाजियाबाद (ब्यूरो)। थाना इन्दिरापुरम पुलिस टीम ने 25,000/- रुपये के इनामी बदमाश को मुठभेड़ के दौरान घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से 1 अवैध तमंचा, 1 खोखा कारतूस 1 जिन्दा कारतूस व घटना में प्रयुक्त 1 मोटर साइकिल बरामद की है। वहीं मुरादनगर पुलिस ने भी मुठभेड़ के दौरान एक बदमाश को गिरफ्तार किया है।

थाना इन्दिरापुरम पुलिस टीम द्वारा सेकटर 1 वसुन्धरा टी पाइंट पर चैंकिंग कर रही थी तभी हिण्डन पुलिया की ओर से एक मोटर साइकिल पर सवार व्यक्ति आता हुआ देखकर (शेष पृष्ठ-3 पर)

आठ सालों में 15 हजार से ज्यादा मुठभेड़

योगी सरकार की पुलिस ने पिछले साढ़े आठ वर्षों में 256 दुर्दांत अपराधियों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया है। यह ताबड़तोड़ कार्रवाई पिछले साढ़े आठ वर्षों में पूरे उत्तर प्रदेश में हुई है। यह एक्शन अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति के तहत किया गया है। पुलिस ने 15,726 मुठभेड़ों को अंजाम देकर यह बड़ी सफलता हासिल की। इस दौरान 31,960 अपराधी गिरफ्तार हुए और 10,324 अपराधी घायल हुए।

चौड़ा गांव में कार के पहिए चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के चौड़ा गांव से चोरों ने एक कार के दो पहिए चोरी कर लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

चौड़ा गांव निवासी मुकेश कुमार सिंघल ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने 30 सितंबर की रात्रि को अपनी कार घर के बाहर खड़ी की थी। रात्रि के समय किसी व्यक्ति ने उनकी कार के दो पहिए चोरी कर लिए। पुलिस का कहना है कि मामले की रिपोर्ट दर्ज का जांच की जा रही है।

पुश्तैनी जमीन पर कब्जे को लेकर मारपीट

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के असगरपुर गांव में पुश्तैनी जमीन पर जबरन कब्जा करने का विरोध करने पर आरोपियों ने मारपीट की। मारपीट में कई लोगों को चोटें आई। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है जबकि अन्य की तलाश कर रही है।

असगरपुर गांव निवासी दानिश सैफी ने बताया कि वह वर्तमान में सेक्टर-133 स्थित जेपी सोसायटी नोएडा में रह रहा है। रात्रि के समय उसके भाई शाहिद एडवोकेट का फोन आया कि गांव में उनकी पुश्तैनी जमीन पर कुछ लोग जबरन अवैध निर्माण कर रहे हैं। इस सूचना पर वह अपने भाई शाहिद एडवोकेट, जाहिद सैफी और अपनी माँ के साथ मौके पर पहुंचे। यहां पर गांव के ही संचित चौहान, जितेंद्र, रविंद्र चौहान उर्फ रब्बल, श्रवण चौहान व कुछ अन्य लोग निर्माण कार्य कर रहे थे। उन्होंने निर्माण कार्य बंद करने के लिए कहा तो आरोपियों ने लाठी-डंडों व लोहे की (शेष पृष्ठ-3 पर)

अश्लील हरकत करते गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। मेघदूतम पार्क के पास महिलाओं को देखकर अश्लील हरकतें कर रहे एक मनचले को थाना सेक्टर-49 पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि पुलिस टीम गश्त पर थी। सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशन के पास मुकुंद ने सूचना दी कि मेघदूतम पार्क के पास एक व्यक्ति राह चलती महिलाओं व लड़कियों पर फब्तियां कसने के साथ-साथ उन्हें अश्लील इशारे कर रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और अश्लील हरकत कर रहे युवक को दबोच लिया। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम अवनीश पुत्र धनीराम निवासी जनपद कासगंज बताया। पकड़ा गया आरोपी हाल में सलारपुर गांव में रह रहा है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उच्च न्यायालय में पेश किया गया है (शेष पृष्ठ-3 पर)

शोक संदेश

अत्यंत दुःख के साथ आपको सूचित करना पड़ रहा है कि
हमारी आदरणीय

श्रीमती किरण चौधरी

(धर्मपत्नी श्री बिजेन्दर सिंह [मुंशी जी])
का 5 अक्टूबर 2025 को निधन हो गया

श्रद्धांजलि :
15 अक्टूबर 2025
हवन : प्रातः 9:00 बजे
श्रद्धांजलि : प्रातः 11:00 बजे से
स्थान: विशनपुरा, सेक्टर 58, नोएडा

(दिशा हेतु)

शोक संतप्त
समस्त चौधरी परिवार

नोएडा की मूल संरचना को पलीता लगा रहे कुछ आरडब्ल्यूए!

कहीं पर मनमर्जी से गेट लगा दिये तो कहीं बैरिकेट तथा अवैध निर्माण

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा में कुछ आरडब्ल्यूए के पदाधिकारी प्राधिकरण के आधारभूत संरचना को नष्ट करने पर तुले हैं। कहीं पर आरडब्ल्यूए प्राधिकरण की अनुमति के बिना आम रास्तों पर बैरिकेड लगाकर बाधा उत्पन्न कर रहे हैं तो कहीं पर बैरियर व गेट लगा रहे हैं। कुछ आरडब्ल्यूए वाले तो स्वयंभू शहर के शासक बनकर प्राधिकरण की ग्रीन बेल्ट पर अवैध कब्जा कर अवैध निर्माण कर रहे हैं। प्राधिकरण के मना करने पर वे राजनीतिक हैसियत की अकड़ दिखाकर रौब गालिब करते हैं।

इसी क्रम में सेक्टर-37 में आरडब्ल्यूए ने नोएडा प्राधिकरण की भूमि पर अनुमति के बिना गार्ड रूम का निर्माण कर लिया। प्राधिकरण के मना करने पर भी आरडब्ल्यूए

ने कोई गंभीरता नहीं दिखाई। अंतत: वर्क सर्किल-2 के वरिष्ठ प्रबंधक व प्रभारी कपिल कुमार ने लोगों की शिकायत के मद्देनजर बुल्डोजर से अवैध निर्माण ढहा दिया।

इसी तरह सेक्टर-11 में भी आरडब्ल्यूए ने कई रास्तों पर बैरिकेड (शेष पृष्ठ-3 पर)

पटाखे बेचते चार पकड़े

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट अवैध पटाखा विक्रेताओं के खिलाफ लगातार कार्रवाई कर रही है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों से पटाखे की बिक्री करने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है इनके पास से लाखों रुपए मूल्य के पटाखे बरामद हुए हैं। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने आज दिल्ली-एनसीआर में ग्रीन पटाखे चलाने की अनुमति दे दी है। थाना दादरी प्रभारी निरीक्षक अरविंद कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना के आधार पर जारचा रोड के पास से नदीम पुत्र सलीम को गिरफ्तार किया। इसके पास से 75 पैकेट अनार बम्ब, 32 पैकेट 25 शॉट के स्काई शॉट, 8 पैकेट 50 शॉट के स्काई शॉट, 400 पैकेट कलर स्पार्कल्स,15 पैकेट रॉकेट बम्ब, 04 पैकेट मशरूम बम्ब, 290 पैकेट कार्नेशन ब्लैक (शेष पृष्ठ-3 पर)

दबाव में संधि

अब भले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दंभी तेवरों की तर्ज पर लाख दावे करते रहें कि गाजा युद्ध समाप्त हो गया है। मगर हकीकत है कि एक छोटी सी चिंगारी भी युद्ध को भड़का सकती है। एक हकीकत है कि दो साल से जारी युद्ध में जहां एक ओर भले ही गाजा पूरा तबाह हो गया हो, लेकिन इसके बावजूद हमास के लड़ाके पीछे हटने को तैयार नहीं दिखे। उनके पास ट्रंप के भारी दबाव व परिस्थितियों के चलते शांति समझौते को स्वीकार करने के अलावा कोई विकल्प बचा ही नहीं था। वहीं दो साल तक युद्ध लड़ते-लड़ते इस्राइली सेना में भी थकान देखी गई थी, साथ ही आतंरिक दबाव युद्ध रोकने के लिये प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू पर भी बराबर बना हुआ था। ट्रंप के बड़बोले दावों को पश्चिमी एशिया और शेष दुनिया बेशक गंभीरता से न लेती रही हो, लेकिन अब एक हकीकत सामने है कि उनके हस्तक्षेप ने गाजा में फिलहाल तोपों को शांत किया है। डोनाल्ड ट्रंप का सोमवार को इस्राइल में एक नायक जैसा स्वागत किया गया। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्राइल-हमास युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में, बहुत संभव है कुछ हफ्तों में हो। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है। कहना मुश्किल है कि आने वाले वक्त में इस्राइल की निरंकुशता पर किसी हद तक अंकुश लग पाता है, ताकि गाजा के लोग फिर से सामान्य जीवन की कोशिश में किसी हद तक सफल हो सकें। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति यह है कि इस्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सवाल यह भी रहेगा कि लड़ाई खत्म होना एक स्थायी प्रक्रिया बन सकेगी। युद्ध समाप्ति के बाद घनी आबादी वाले इलाके में शासन कैसे चलेगा? क्या समझौते के अनुरूप हमास की भूमिका प्रशासन में खत्म हो जाएगी? क्या वास्तव में हमास हथियार डाल देगा? हालांकि, तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस्राइली संसद में ट्रंप ने दावा किया है कि हमास उनकी निशस्त्रीकरण योजना के प्रावधानों का पालन करेगा। लेकिन इस चरमपंथी समूह ने फ़लस्तीन को राज्य का दर्जा मिलने से पहले इस संभावना से इनकार किया है। बताया जा रहा है कि ट्रंप एक अंतर्राष्ट्रीय निकाय का नेतृत्व करने वाले हैं, जो गाजा के शासन के लिये एक अस्थायी गैर-राजनीतिक समिति के कामकाज की देखरेख करेगा। निस्संदेह, इस भावनात्मक मुद्दे को राजनीतिक रूप से कुशलता पूर्वक संभालने की जरूरत है। निर्विवाद रूप से इस विवाद के पटाक्षेप के लिये दो-राज्य समाधान के लिये स्पष्ट समय-सीमा का अभाव एक कसक के रूप में महसूस किया जाता रहेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति अपनी पीठ थपथपा सकते हैं, लेकिन देर-सवेर उन्हें अहसास हो सकता है कि उन्होंने इस बेहद जटिल मुद्दे के समाधान की कोशिशों में अपनी क्षमता से अधिक काम ले लिया है। दशकों से इस्राइल और फलस्तीनियों के संघर्ष की जड़ें गहरी हैं। जिसका स्थायी समाधान एक कल्पित प्रश्न जैसा ही है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि रघुवंशियों का यह सहज (जन्मगत) स्वभाव है कि उनका मन कभी कुमार्ग पर पैर नहीं रखता। मुझे तो अपने मन का अत्यन्त ही विश्वास है कि जिसने (जाग्रत की कौन कहे) स्वप्न में भी पराई स्त्री पर दृष्टि नहीं डाली है॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

जिन्ह कै लहहिं न रिपु रन पीठी। नहिं पावहिं परतिय मनु डीठी॥
मंगन लहहिं न जिन्ह कै नाहीं। ते नरबर थोरे जग माहीं॥

रण में शत्रु जिनकी पीठ नहीं देख पाते (अर्थात जो लड़ाई के मैदान से भागते नहीं), पराई स्त्रियाँ जिनके मन और दृष्टि को नहीं खींच पातीं और भिखारी जिनके यहाँ से नाहीं नहीं पाते (खाली हाथ नहीं लौटते), ऐसे श्रेष्ठ पुरुष संसार में थोड़े हैं॥

दो0-करत बतकही अनुज सन मन सिय रूप लोभान।
मुख सरोज मकरंद छबि करइ मधुप इव पान॥

यों श्री रामजी छोटे भाई से बातें कर रहे हैं, पर मन सीताजी के रूप में लुभाया हुआ उनके मुखरूपी कमल के छबि रूप मकरंद रस को भौंरे की तरह पी रहा है॥

चितवति चकित चहूँ दिसि सीता। कहँ गए नृप किसोर मनु चिंता॥
जहँ बिलोक मृग सावक नैनी। जनु तहँ बरिस कमल सित श्रेनी॥

सीताजी चकित होकर चारों ओर देख रही हैं। मन इस बात की चिन्ता कर रहा है कि राजकुमार कहाँ चले गए। बाल मृगनयनी (मृग के छौने की सी आँख वाली) सीताजी जहाँ दृष्टि डालती हैं, वहाँ मानो श्वेत कमलों की कतार बरस जाती है॥

(क्रमशः..)

सोच के स्तर पर बदल रही बिहारी राजनीति

बिहार की राजनीति जाति और धर्म से कभी अलग नहीं रही। आजादी के फौरन बाद के चुनावों में जाति का असर कम रहा, क्योंकि तब स्वाधीनता संग्राम के दौरान अर्जित नैतिक मूल्यों की आभा और स्मृति बनी हुई थी। लेकिन बाद के दिनों में यह लगातार कम होता चला गया। जाति और धर्म की राजनीति तब भी होती थी, लेकिन उस पर स्वाधीन भारत को बनाने के लिए सर्वसमावेशी सोच का आवरण बना रहा। लेकिन मंडल आयोग की छाया में उभरी राजनीति के बाद जाति और धर्म का खुला-खेल शुरू हो गया। जातीय गोलबंदी खुलेआम होने लगी। बिहार के वैशाली स्थित लिच्छवी गणराज्य ने जब लोकतांत्रिक मॉडल को अपनाया था, तब शासन सौंपने वाले हाथों की योग्यता उनकी न्याय प्रियता, उनकी प्रशासनिक कुशलता और निष्पक्षता थी। इसे बिडंबना ही कहेंगे कि जिस बिहार की धरती ने छठी सदी ईसापूर्व यानी करीब ढाई हजार साल पहले शासन के बेहतरीन मॉडल को अपनाया, उसी धरती पर वैधानिकता के आधार पर लागू लोकतंत्र ने जाति, धर्म और क्षेत्रवाद को खुद में समाहित कर लिया। लेकिन इस बार के चुनावों में लोकतंत्र का जातीय और धार्मिक मॉडल को किंचित चोट पहुंचती दिख रही है।

बिहार गर्व करते नहीं अघाता कि उसकी धरती पर लोकतंत्र का जन्म हुआ। इसी लोकतंत्र की छांव में बिहार और प्रकारांतर से देश को आगे बढ़ाने का सपना जयप्रकाश नारायण ने देखा था। जब भारतीय लोकतंत्र पर आपातकाल की काली छाया पड़ी तो जेपी के नाम से विख्यात जयप्रकाश नारायण की अगुआई में बिहार की ही धरती ने बिगुल फूंक दिया। इस बिगुल ध्वनि को देश ने सुना और जेपी के पीछे हो लिया। जिसकी परिणति आपातकाल के काले दिनों के अंत और बाद में आपातकाल थोपने वाले हाथों यानी इंदिरा गांधी की लोकतांत्रिक हार के रूप में देश और दुनिया ने देखा। जेपी की राजनीति में जाति और धर्म का आधार नहीं था। जेपी के पीछे पहले बिहार और बाद में तकरीबन उत्तर भारत जब चल पड़ा, तब देश और धर्म की बातें पीछे छूट गई थीं। तब देश को बनाने और लोकतंत्र को बचाने के लिए हर धर्म, हर जाति और हर समूह ने अपने जातीय, धार्मिक और स्थानीय हितों को किनारे रख दिया और देश के लिए आगे चल पड़े थे। दुर्भाग्यवश उसी दौर में उभरे नेताओं ने जाति का सबसे बड़ा खेल खेला। बिहार की जातीय राजनीति को बढ़ावा देने में उसी दौर में उभरे नेताओं ने सबसे ज्यादा दिया। आज की बिहारी राजनीति के चमकते सितारे लालू यादव, नीतीश कुमार, शिवानंद तिवारी, नंद किशोर यादव, आदि उसी दौर में उभरे चेहरे हैं।

बाद के दौर में बिहार के चुनाव की चर्चा जाति और धर्म की बुनियाद को आधार बनाए असंभव मानी जाने लगी। वैसे यह रोग तकरीबन हर राज्य की राजनीति को लगा है। कहीं इसकी तासीर कम दिखती है तो कहीं कम, लेकिन यह हर जगह है। लेकिन बिहार के इस चुनाव में प्रशांत किशोर के जरिए कम से कम जातीय गोलबंदी की बात को लगाम पहुंची है। प्रशांत किशोर का चाहे सत्ता पक्ष या विपक्ष, जितना भी उपहास उड़ाने की कोशिश करे, उन्होंने बिहारी राजनीति को नया चेहरा जरूर दिया है। प्रशांत ब्राह्मण परिवार के बेटे हैं। उनकी राजनीतिक आभा से परेशान बिहार का सत्ता पक्ष भी है और विपक्ष भी। सत्ता पक्ष की बजाय विपक्ष की ओर से उन्हें ब्राह्मण बताने की कोशिश खूब हुई। लेकिन यह कार्ड चल नहीं पाया। दरअसल मंडलवाद की राजनीति के उभार के बाद सवर्णवाद की बात करने की हिम्मत भी दिखाना मुश्किल है। सवर्ण तबके की जातियां और उनके नेता अपनी जाति की बात कर लें तो उन पर जातिवादी ठप्पा लगाकर ट्रोल किया जाता रहा है। वैसे आज का जो विमर्श है, उसमें सवर्ण तबके की अपनी जाति की बात करना जातिवादी होना है और पिछड़े एवं दलित जातियों की बात करना उनका सशक्तीकरण एवं प्रगतिवाद का बेहतरीन उदाहरण माना जाता है।

> ***जेपी के बाद बिहार की तकरीबन हर जातियों में जिस राजनेता की व्यापक स्वीकृति रही, वे कर्पूरी ठाकुर हैं। दिलचस्प यह है कि आज के बिहार के सत्ता पक्ष और विपक्ष के बड़े नेता हैं, सब कर्पूरी ठाकुर का नाम ही जपते हैं।***

जेपी के बाद बिहार की तकरीबन हर जातियों में जिस राजनेता की व्यापक स्वीकृति रही, वे कर्पूरी ठाकुर हैं। दिलचस्प यह है कि आज के बिहार के सत्ता पक्ष और विपक्ष के बड़े नेता हैं, सब कर्पूरी ठाकुर का नाम ही जपते हैं। यह बात और है कि कर्पूरी ठाकुर जैसी सादगी, उनके जैसी सर्वसमावेशी राजनीति की राह उनके चेलों ने नहीं अपनाई। बिहार की राजनीति के दोनों दिग्गज चेहरे जेपी और कर्पूरी की राजनीति में संकीर्णता का आधार नहीं नहीं था। वे जातीय गोलबंदी की बजाय सर्वसमावेशी राजनीति की बात करते थे। आज की राजनीति और सामाजिक संतुलन के लिए आरक्षण व्यवस्था की जरूरत को कर्पूरी ठाकुर स्वीकार करते थे, लेकिन उनकी आरक्षण व्यवस्था में किसी खास वर्ग को लक्षित करने और उस पर निशाना साधने का भाव नहीं था। उन्होंने आरक्षण का जो फॉर्मूला दिया था, उसमें पिछड़ा वर्ग को बारह प्रतिशत, अति पिछड़े वर्ग को आठ प्रतिशत, महिलाओं के लिए तीन प्रतिशत और गरीब सवर्णों के लिए तीन प्रतिशत का प्रावधान किया था। चाहे लोहिया की आरक्षण को लेकर सोच रही हो या फिर कर्पूरी का मॉडल, दोनों का मकसत सामाजिक विकास की दौड़ में पीछे रहे वर्ग को आगे रहे वर्गों के समकक्ष खड़ा करना और इस तरह बराबरी का बोध लाना था। यही वजह रही कि इन नेताओं के पीछे समाज का बड़ा हिस्सा खड़ा होता था, जहां जाति और धर्म की सीमाएं टूट जाया करती थीं। इसका यह मतलब नहीं था कि तब जातीय गोलबंदी खत्म हो चुकी थी। लेकिन यह जरूर है कि ऐसा करने वाली ताकतों को बढ़ावा नहीं मिलता था। लेकिन जेपी और कर्पूरी के बाद स्थितियां बदल गईं।

बिहार के मौजूदा चुनावों में प्रशांत किशोर के अभ्युदय ने जातीय गोलबंदी की इस रूढ़ि को तोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। प्रशांत किशोर ने अपना दल बनाने के बाद एक गलती जरूर की। उन्होंने तब जरूर कहा था कि मुस्लिम समुदाय को तरजीह देंगे। ऐसा करके वे एक तरह से धार्मिक गोलबंदी की पारंपरिक अवधारणा को जरूर शह दे रहे थे। लेकिन शायद बाद में उन्हें इस गलती का अहसास हुआ और उन्होंने इस सोच का मुजाहिरा फिर नहीं किया।

प्रशांत किशोर के बिहार की राजनीति में उभार के बाद मुद्दों की बात हो रही है। महिलाओं को आर्थिक सहयोग देने का मौजूदा नीतीश सरकार का फैसला हो या फिर तेजस्वी द्वारा हर घर को एक सरकारी नौकरी देने का वादा, प्रशांत किशोर की राजनीतिक शैली का दबाव माना जा सकता है। प्रशांत किशोर बार-बार बिहार की बदहाली का सवाल उठाते हैं,वैश्विक स्तर पर मजदूर सप्लाई करने वाले राज्य के रूप में बिहार की स्थापित छवि पर सवाल उठाते हैं, बिहार को नई राह पर लेकर चलने की बात करते हैं, जाति और धर्म की बात नहीं करते हैं, बिहार की शिक्षा व्यवस्था को मुद्दा बनाते हें तो बिहार के पढ़े-लिखे युवाओं और बिहार की मौजूदा छवि से परेशान लोगों को उनकी बात अपील करती है। पिछली सदी के साठ के दशक तक प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से देश का पांचवां बड़ा राज्य रहे बिहार की बदहाली का सवाल जब वे उठाते हैं तो बिहार का हित चाहने वाले लोगों को वह बात अपील करती है। यही वजह है कि उनके साथ हर वर्ग के लोग दिखते हैं। इसलिए बिहार की राजनीति में जाति की चर्चा पीछे छूट जाती है। खास दल के खास जातीय आधार की मान्यता के बीच से उसी जाति के बीच से जब कुछ आवाजें बिहार के पक्ष में उस दल विशेष के विरोध में उभरती हैं तो बिहार की राजनीति पर नजर रखने वालों को हैरत होती है। यह बदलाव प्रशांत किशोर की राजनीति का कमाल कहा जा सकता है।

इसका यह मतलब नहीं है कि प्रशांत किशोर के पीछे समूचा बिहार उठ खड़ा हुआ है। दकियानुसी की हद तक जाति और धर्म के खेमे में बंट चुकी बिहार की राजनीति की इस सोच में इस बार के चुनावों में खरोंच लगती दिख रही है। इस लिहाज से प्रशांत किशोर, जेपी और कर्पूरी ठाकुर की परंपरा में खड़े होते नजर आ रहे हैं। बिहार की सोच में बदलाव की यह बयार बनी रही तो तय मानिए, बिहार ही नहीं देश की राजनीति बदलने की दिशा में आगे बढ़ सकती है।

-उमेश चतुर्वेदी
(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

वातावरण का पर्यावरण (व्यंग्य)

बारिशों ने खूब पानी बरपाया। कई जगह तो पानी कहर बन कर पसरा रहा। इस बहाने कईयों ने तैरना सीख लिया। प्रशासन परम्परागत शैली में ध्वस्त, ड्रेनेज सिस्टम अस्त व्यस्त और आम आदमी मजबूरन पस्त रहा। लापरवाही हमेशा की तरह डूबती रही। आपदा में अवसर खोजने की परम्परा बहती रही। स्थितिवश शासन और प्रशासन ज़िम्मेदार लोगों से बार बार आग्रह करता रहा, असामाजिक होते जा रहे सामाजिक मीडिया और समाचार पत्रों में अपील करता रहा लेकिन 'सामाजिक जानवर' यानी इंसान, वातावरण और पर्यावरण के प्रति रुख बदलता नहीं दिखा।

हमारी समृद्ध सांस्कृतिक परम्परा है, भाषण देने वाले पूरे आत्मविशवास और निश्चय के साथ समाज को सभ्य मानते हुए कहते हैं कि वातावरण में जागरूकता लाकर ही जंगल बचाकर पर्यावरण और ज़मीन को सुरक्षित रख सकते हैं। उन्हें ध्यान नहीं रहता कि समाज अब पहले जैसा कम सभ्य नहीं रहा। पर्यावरण बचाने के लिए वृक्ष लगाने, पानी देने और रक्षा करने से ज्यादा आसान और लाभदायक होता है, आरामदायक जगह बैठक, बैनर रैली और लंबा जुलूस निकालना। इस माध्यम से मिलना जुलना भी हो जाता है ।व्यावहारिक कर्म में विशवास रखने वाले परिषद के अध्यक्ष, रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हैं।

रैली में भाग लेने वाले, नारे लगाने से पहले बोतल में पानी, खाना, सेब और केले आदि मौसमी फलों का भोग लगाते हैं। काफी पैसे तो टी शर्ट्स और उन पर 'वी लव अवर ग्रीन

एनवायरनमेंट' छपवाने, दस्ताने और हरी टोपियां खरीदने में ही खर्च हो जाते हैं। ऐसी रैलियों में कुछ विशिष्ट लोग भी शामिल रहते हैं जिन्होंने पेड़ कटवाकर अवैध कालोनी का निर्माण और अपने मकानों का पुनर्निर्माण किया हो। ऐसे शानदार और दिखावटी वातावरण में बेचारा पर्यावरण अपने संरक्षण के ख़्वाब देखता रह जाता है।

सूचनाओं के अंबार में डूबे अधिकांश नागरिक भली भांति जानते, मानते और समझते हैं कि पर्यावरण बचाना संवारना, संरक्षित और सुरक्षित करना बहुत ज़रूरी है। इस सन्दर्भ में यह मज़ेदार सच हैरान करने वाला है कि लोग वातावरण को ही पर्यावरण समझ लेते हैं। हम दूसरों से अपेक्षा करते हैं कि पर्यावरण को बचाने के लिए ज़रूरी उपाय करें लेकिन अपना मानवीय कर्तव्य याद नहीं रहता। दूसरों के सहयोग की चिंता छोड़कर जो हम कर सकते हैं वह करना मुश्किल होता है। महिलाएं इस क्षेत्र में ज्यादा सक्रिय भूमिका अदा कर सकती हैं। घर में प्लास्टिक का आना, चाहें तो वे निश्चित ही कम कर सकती है। पारिवारिक स्तर पर पानी का उचित प्रयोग कर कुछ पानी तो बचा ही सकती हैं। वैसे, मुश्किल काम करना आसान नहीं होता।

जितने भी पौधे घर में लगाने हों प्लास्टिक की जगह मिटटी के गमलों में लगा सकते हैं। प्लास्टिक के फूल न रखकर इनडोर पौधे रख सकते हैं। सामान लाने के लिए कपडे आदि का थैला प्रयोग करना ज़रा भी मुश्किल नहीं।

दुकानदार से पैक्ड वस्तुएं अलग थैले में न लेकर सीधे उसमें डाल सकते हैं। 'रियूज़, रिडयूस, रिपेयर, रिसाइकिल और रिकवर' जैसे पांच नुस्खे अपनाकर जीवन के पांच तत्वों 'आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी' को अपने हिस्से का फायदा तो पहुंचा ही सकते हैं। आसान काम करना भी, आसान कहां होता है जी। पर्यावरण को वातावरण समझना आसान होता है जी।

- संतोष उत्सुक

राशिफल

कार्तिक माह, कृष्ण पक्ष, नवमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी लेकिन गृह कलह भी हो सकती है। प्रेम, संतान की स्थिति मध्यम।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
पराक्रम रंग लाएगा। रोज-रोजगार में तरक्की करेंगे। अपनों का साथ होगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धन हानि के संकेत हैं। इसलिए निवेश अभी वर्जित रहेगा। जुबान पर काबू रखें। प्रेम, संतान का साथ होगा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान का साथ है। व्यापार अच्छा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। मन व्याकुल रहेगा। परेशान रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। प्रेम, संतान, अच्छा रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आय के नवीन स्रोत बनेंगे। पुराने स्रोत से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति। यात्रा का योग।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोट कचहरी में विजय मिलेगी। व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। पिता का साथ होगा। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। धर्म-कर्म में हिस्सा लेंगे। धार्मिक यात्रा भी हो सकती है। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार भी अच्छा है।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी, चाकरी की स्थिति सुदृण होगी। प्रेमी, प्रेमिका की मुलाकात संभव है।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
शत्रुओं पर दबदबा कायम रहेगा लेकिन थोड़ा डिस्टरबेंस भी बना रहेगा। स्वास्थ्य प्रभावित दिख रहा है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
लेखकों के लिए, व्यापारियों के लिए, विद्यार्थियों के लिए कलमकारों के लिए बहुत अच्छा समय।

श्रम समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो होम इटटू कम्पनी के कर्मचारी करेंगे हड़ताल

नोएडा (चेतना मंच)। मैसर्स- होम इटटू नोएडा के कर्मचारियों ने कम्पनी प्रबंधकों द्वारा किए जा रहे आर्थिक शोषण, उत्पीड़न के खिलाफ सीटू कार्यालय सेक्टर- 8 पर आम सभा कर आंदोलन की रूपरेखा तय किया।

बैठक की जानकारी देते हुए सीटू जिला सचिव गंगेश्वर दत्त शर्मा ने बताया कि होम इटटू के मालिकान श्रम कानूनों की धज्जियां उड़ाकर संस्थान को चला रहे हैं और मजदूरों का आर्थिक व मानसिक रूप से उत्पीड़न कर रहे हैं जिसकी शिकायत हमारे संगठन द्वारा उप श्रमायुक्त गौतम बुद्ध नगर से लिखित में की हुई है जिस पर समस्याओं के समाधान हेतु श्रम

कार्यालय में अनेको वार्ता की तिथि लग चुकी है, कल 13 अक्टूबर को वार्ता की तिथि लगी हुई थी। लेकिन वार्ता में कंपनी मालिक/ प्रबंधक उपस्थित नहीं हुए। जिस पर सहायक श्रमायुक्त एसपी सिंह के समक्ष श्रमिकों ने असंतोष व्यक्त किया।

सहायक श्रमायुक्त ने कंपनी प्रबंधकों को एक और अवसर देते हुए 18 अक्टूबर को प्रातः 11.00 बजे वार्ता के लिए बुलाया है। प्रबंधकों भेजे गए पत्र में वार्ता में शामिल होने पर कंपनी मालिक के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है।

उन्होंने बताया कि वार्ता में ट्रेड यूनियन रंजिश मानकर श्रमिक अरुण पटेल को गैरकानूनी तरीके से कार्य से रोके जाने, बोनस व ओवर टाइम का कानूनी भुगतान और सभी श्रमिकों के नाम मास्टर रोल पर दर्ज कर श्रम कानूनों के तहत मिलने वाली सभी विधिक सुविधा का लाभ दिए जाने सहित सभी मुद्दों को उठाया जाएगा। वार्ता के माध्यम से उक्त समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो संस्थान स्तर पर आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए सीटू जिला उपाध्यक्ष रामसागर ने कर्मचारियों को संगठित होकर लड़ने के लिए प्रेरित किया। साथ उन्होंने कहा कि यदि 18 अक्टूबर 2025 की प्रस्तावित वार्ता में कंपनी मालिक/प्रबंधकों ने हिस्सा नहीं लिया तो संस्थान के कर्मचारी कभी भी हड़ताल पर जा सकते हैं जिसके लिए पूर्ण रूप से कंपनी मलिक/ प्रबंधन जिम्मेदार होंगे।

भारतीय जनता पार्टी की वरिष्ठ नेत्री तथा नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज से शिष्टाचार मुलाकात कर दीपावली की शुभकामनाएं देते भाजपा नेता व समाजसेवी पं. रविकांत मिश्रा।

जालसाजों ने युवक से हड़पे लाखों रुपए पत्नी के जेवर भी गिरवी रखवाए

नोएडा (चेतना मंच)। रुपए डबल करने का झांसा देकर जालसाजों ने एक युवक से लाखों रुपए हड़प लिए। युवक के पास पैसे खत्म होने पर आरोपियों ने उसकी पत्नी के जेवर भी गिरवी रखवाकर पैसे ले लिए। युवक ने जब आरोपियों से अपने पैसे मांगे तो उन्होंने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक बड़े डॉन का नाम लेकर उसे धमकाया और पैसे देने से इंकार कर दिया। पीड़ित ने थाना सूरजपुर में आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज किया गया है।

ग्राम तिलपता करनवास निवासी विकास भाटी ने न्यायालय में दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि ग्राम इमलियाका निवासी साहिल नागर उसका दोस्त था। जनवरी माह में वह उससे मिलने उसके घर आया और उसके सामने प्रस्ताव रखा कि यदि पढ़ाई के साथ-साथ कुछ रुपए कमाने हैं तो वह उसकी सहायता कर सकता है। साहिल नागर ने बताया कि उसके कुछ जानकार हैं जो रोजाना शेयर मार्केट में पैसा लगाते हैं और अच्छा मुनाफा कमाते हैं। वह उसे पैसे दे दे तो उन्हें वेस्ट शेयर मार्केट में लगवाकर उसे अच्छा मुनाफा दिला सकता है। शुरुआत में उसने ढाई लाख रुपए दिए एक माह के भीतर साहिल नागर ने 30 हजार रुपए अधिक देकर उसे सभी पैसे लौटा दिए। विकास भाटी के मुताबिक साहिल उस छोटी-छोटी धनराशि के रूप में रोजाना पैसे ले जाता था और अगले दिन कुछ अतिरिक्त पैसे देकर उसे लौटा देता था। 12 अप्रैल को साहिल नागर ने उसे एक माह के लिए 7 लाख रुपए मांगे। उसने घर से लाकर साहिल नागर को पैसे दे दिए। साहिल ने आश्वासन दिया कि उक्त धनराशि के बदले उसे 38 लाख रुपए मिलेंगे और वह उसे 7 के बजाय 14 लाख रुपए वापस कर देगा।

विकास भाटी के मुताबिक कुछ समय साहिल नागर ने उसे 3 लाख 80 हजार रुपए मांगे। उसने जब पैसे ना होने का हवाला दिया तो आरोपी ने कहा कि वह अपनी पत्नी की जेवर गिरवी रखकर ब्याज पर पैसे उठा ले। जल्दी वह उन पैसों को वापस कर देगा। निर्धारित समय बीतने पर उसने जब अपने पैसे वापस मांगे तो उसने बहाने बनाने शुरू कर दिए इसके बाद उसने धमकी दी कि अगर पैसे मांगे तो अंजाम बुरा होगा। पीड़ित के मुताबिक उसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के एक डॉन के नाम की भी धमकी दी गई। पीड़ित ने रोहण शर्मा अर्जुन शोएब मोहम्मद बिलाल आदि के खिलाफ थाने में शिकायत दी लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र सुनवाई के बाद थाना सूरजपुर पुलिस को आरोपी को खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

सेक्टर-12 के मंदिर ...

माँ दुर्गा एवं सांई बाबा के ऊपर लगे चाँदी के 4 छत्र चोरी कर लिए। इनकी अनुमानित मात्रा 5.5 किलोग्राम है।

सेक्टर-12 एवरग्रीन आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष पुनीत शुक्ला ने बताया कि इस घटना से सेक्टरवासियों में काफी आक्रोश है। चूंकि यह मंदिर सेक्टरवासियों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है तथा आये दिन यहां बड़े धार्मिक कार्यक्रम होते रहते हैं। उनका कहना है कि पुलिस की लापरवाही तथा पुलिस गश्त कम होने से सेक्टर में चोरी की घटनाएं बढ़ रही हैं तथा चोरों के हौंसले बुलंद हैं। उन्होंने पुलिस के शीर्ष अफसरों से मांग की है कि इस घटना का जल्द खुलासा कर चोरों को गिरफ्तार किया जाए।

अश्लील हरकत...

किया तो आरोपी ने उसे परिवार सहित जान से मारने, तेजाब फेंकने तथा झूठे मुकदमे फंसाने की धमकी दी।

पीड़िता का कहना है कि क्षितिज शर्मा की इन हरकतों की शिकायत उसने पूर्व में की थी इसके बाद आरोपी ने आश्वासन दिया था कि वह उसे तथा उसके परिचितों से किसी भी प्रकार का डिजिटल टेलिफोनिक संपर्क नहीं करेगा और उसके सभी फोटो मैसेज आदि को डिलीट कर देगा। यह आश्वासन मिलने पर उसने अपनी शिकायत को वापस ले लिया था। पिछले कुछ समय से क्षितिज शर्मा उसे फिर ब्लैकमेल कर रहा है। वह उसके मैसेज व निजी तस्वीरों को उसके मंगेतर तथा परिजनों को भेज रहा है पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

गाजियाबाद में दो...

पुलिस द्वारा रुकने का इशारा किया गया परन्तु मोटर साइकिल सवार व्यक्ति नही रुका तथा मोटर साइकिल को तेजी से मोड़कर वसुन्धरा सेक्टर 2ए ग्राउंड की ओर कच्चे रास्ते पर भागने लगा, तभी पुलिस द्वारा पीछा करने पर पुलिस से बचकर भागने की जल्दी व हडबडाहट में मोटर साइकिल फिसलकर गिर गई। बदमाश ने अपने को घिरा देख पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में बदमाश घालल हो गया। घायल बदमाश की पहचान अफजल पुत्र अनवर निवासी ए 248 लक्ष्मी गार्डन अत्री चक्की वाली गली निकट इन्दिरापुरी पुलिस चौकी थाना लोनी बार्डर गाजियाबाद के रूप में हुई है। पूछताछ करने पर अफजल ने बताया कि उसने अपने अन्य साथियों के साथ एक महिने पहले वसुन्धरा सेक्टर 8 थाना इन्दिरापुरम क्षेत्र से बाइक सवार व्यक्ति से छिनैती की घटना की थी।

वहीं मुरादनगर पुलिस टीम द्वारा ईस्टर्न पेरिफेरल अंडरपास के नीचे चैंकिंग की जा रही थी तभी गांव दुहाई की तरफ से आ रही बिना नम्बर प्लेट की एक मोटर साइकिल पर सवार युवक को रुकने का इशारा किया गया परन्तु मोटर साइकिल सवार युवक नही रुका तथा मोटर साइकिल पर सवार युवक ने मोटर साइकिल दाहिने तरफ खेतों की तरफ जाने वाले कच्चे रास्ते की तरफ मोड़ दी, आगे कच्चे रास्ते पर गड्ढे होने से मोटर साइकिल का संतुलन बिगड़ गया फिसल जाने के कारण मोटर साइकिल गिर गई। युवक ने जान से मारने की नीयत से पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्यवाही में बदमाश के दोनों पैरों में गोली लगी। गिरफ्तार बदमाश की पहचान नौशाद उर्फ बादशाह पुत्र मोबीन निवासी फरुखनगर थाना टीला मोड गाजियाबाद उम्र करीब 31 वर्ष रूप में हुई।

गिरफ्तार नौशाद ने अपने अन्य साथी के साथ मिलकर कुछ माह पहले मोदीनगर से एक फ्लैट से ज्वेलरी व नगदी चोरी की थी और थाना मुरादनगर क्षेत्र से सितंबर माह में चेन स्नैचिंग की थी तथा भगवान महावीर मार्ग बड़ौत बागपत से चैन स्नैचिंग की थी।

नोएडा की मूल संरचना...

लगाकर आम रास्ता बंद कर दिया तो वहीं मदर डेयरी व मेट्रो हॉस्पीटल के सामने प्रवेश द्वारों पर विशाल लोहे के गेट बनवा दिये गए हैं। इसी तरह सेक्टर-11 मेन रोड से बांयी ओर से सेक्टर-11 में जाने वाले रास्तों पर लोहे के बैरियर लगाकर रास्ता बंद कर दिया। इसी तरह की कई शिकायतें सेक्टर-12, 22, 55, 56, 19 तथा अन्य सेक्टरों से भी आये दिन प्राधिकरण पर आती रहती हैं। लेकिन ऊंची राजनीतिक रसूखातों के बल पर आरडब्ल्यूए प्राधिकरण पर दबाव बनाकर जनहित का कार्य नहीं होने दे रहे हैं। इस मुद्दे पर सामाजिक संगठन तथा फोनरवा भी चुप्पी साधे रहती है। इससे आम नागरिकों में काफी रोष है।

पुश्तैनी जमीन...

रॉड से उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान संचित चौहान ने फांवड़े से उनके भाई व माँ पर हमला कर दिया।

दानिश सैफी के मुताबिक इस हमले में उनकी 62 वर्षीय माँ को गंभीर चोटें आई। इसके अलावा उनके भाई शाहिद और जाहिद भी घायल हो गए। उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पुलिस को आता देखकर आरोपी फरार हो गए। पीड़ित के मुताबिक संचित चौहान व सरवन चौहान का आपराधिक इतिहास है। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में संचित चौहान को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दिवाली पर मुफ्त...

प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीबों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गये जिससे महिलाओं का जीवन आसान हुआ। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि 2017 के पहले यूपी में सैफई परिवार ही सबकुछ था। हमारे लिए पूरा प्रदेश परिवार है। सपा सरकार दंगाइयों के सामने नाक रगड़ती थी और अपराधियों के साथ खड़ी होती थी पर हमने तय किया कि अब अगर किसी बेटी के साथ छेड़छाड़ की तो अगले चौराहे पर यमराज के दर्शन हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि अगर यमराज से टिकट कटवाना हो तो किसी बेटी से छेड़छाड़ कर दे। अगले चौराहे पर यमराज मिल जाएंगे। हमने कहा है कि हर बेटी को सुरक्षा देंगे। हर व्यापारी को सुरक्षा देंगे। हर गरीब के साथ सरकार खड़ी होगी। हर दलित के साथ सरकार खड़ी होगी। उत्साह और उमंग में किसी ने व्यवधान डालने का काम किया तो उसे जेल में ठूंसने में देर नहीं करेंगे। इसलिए आज हर त्योहार खुशी के साथ मनाया जा रहा है।

बता दें कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई, 2016 में हुई थी। इस योजना से खासकर ग्रामीण भारत की रसोई को धुएं से मुक्त करने में सफलता मिली। साथ ही, महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव भी कम करने की दिशा में प्रभावी साबित हुई। प्रदेश में अब तक 1.86 करोड़ परिवारों को उज्ज्वला कनेक्शन प्रदान किए जा चुके हैं। राज्य सरकार ने उज्ज्वला लाभार्थियों को प्रति वर्ष दो मुफ्त एलपीजी रिफिल देने का निर्णय लिया है। यह वितरण वित्तीय वर्ष 2025-26 में दो चरणों में किया जाएगा। पहला चरण अक्टूबर 2025 से दिसंबर 2025 तक और दूसरा चरण जनवरी 2026 से मार्च 2026 तक होगा। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रदेश सरकार ने 1500 करोड़ रुपये की धनराशि का प्रावधान किया है। पहले चरण में आधार प्रमाणित लाभार्थियों को योजना का लाभ दिया जा रहा है।

पटाखे बेचते...

सरपेन्टस, 240 पैकेट टॉयगन की मिसाईल आदि पटाखे बरामद हुए। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि आरोपी अवैध रूप से पटाखे की बिक्री कर रहा था।

थाना कासना पुलिस ने मुखबिर की सूचना के आधार पर डाढा गांव स्थित सीएचसी अस्पताल के पास गाड़ी में पटाखे बेच रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपी के पास से भारी मात्रा में पटाखे बरामद हुए। पकड़े गए आरोपी ने अपना नाम प्रमोद कुमार पुत्र वेदराम निवासी ग्राम डाढा बताया। प्रमोद कुमार ने बताया कि वह दीपावली पर मुनाफा कमाने के लिए पटाखे खरीद कर लाया था और इन्हें अपनी स्विफ्ट गाड़ी में भरकर बेच रहा था।

वहीं थाना सेक्टर-113 पुलिस ने सेक्टर-123 के पास से अजीत कुमार व रजनीश को गिरफ्तार किया। उनके पास से प्लास्टिक के चार कट्टे में भरे पटाखे बरामद हुए। आरोपियों ने बताया कि वह दीपावली त्यौहार के मद्देनजर पटाखे बेचने के लिए लाए थे। पुलिस का कहना है कि आरोपियों के खिलाफ विरोध अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया गया है।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू.पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

सोसायटी में लगे पोस्टर फाड़ने पर एफआईआर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर क्षेत्र के सुपरटेक अप कंट्री में अवैध रूप से पीजी चलाने वालों के खिलाफ लगाए गए पोस्टर फाड़ने के मामले में 4 नामजद व अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। सोसायटी के कुछ लोगों ने अवैध पीजी चलाने वालों के खिलाफ पोस्टर लगाए थे। सुपरटेक अप कंट्री सोसाइटी में रहने वाली राखी मिश्रा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 अक्टूबर को सोसायटी के पदाधिकारियों ने अवैध रूप से पीजी चलाने वालों के खिलाफ पोस्टर लगाए थे। मनीष नागर, सुशील भाटी, राघव, दीपक नागर व उनके 6-7 अन्य साथियों ने पोस्टर को जबरन फाड़ दिया। इस बात का विरोध करने पर आरोपियों ने सोसायटीवासियों के साथ गाली-गलौज व अभद्र व्यवहार करते हुए जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता के मुताबिक आरोपियों की इस हरकत से सोसायटी का माहौल बिगड़ गया और लोगों में भय व्याप्त हो गया। पीड़िता के मुताबिक आरोपियों ने 6 अक्टूबर की रात्रि को भी शराब के नशे में सोसाइटी में जमकर हंगामा किया और पोस्टरों को फाड़ दिया था। इस दौरान आरोपियों ने मौजूद महिलाओं के साथ भी गाली-गलौज व बदतमीजी की थी।

एमपी-1 मार्ग पर प्रस्तावित एलीवेटिड को लगे ब्रेक!

नोएडा (चेतना मंच)। एमपी-1 रोड नं.-1 में सेक्टर-19 रजनीगंधा चौराहे से लेकर सेक्टर-57 चौराहे तक प्रस्तावित एलीवेटिड निर्माण योजना को ब्रेक लग गये हैं। आरोप है कि नोएडा प्राधिकरण ने आइआइटी रूड़की को सलाहकार फीस भुगतान नहीं किया हे।

एमपी-1 रोड नं.-1 पर प्राधिकरण ने एलिवेटेड रोड बनाने का निर्णय लिया गया था। इसके लिए एक निजी एजेंसी से सर्वे कराते हुए फिजिबिलिटी चेक कराई गई। एजेंसी ने अपनी सर्वे रिपोर्ट में एलिवेटेड रोड बनने में कोई अड़चन नहीं बताई। यह एलिवेटेड रोड सेक्टर-19 रजनीगंधा अंडरपास के पास से सेक्टर-57 चौराहे को पार करते हुए सेक्टर-61 की ओर बनाया जाना है।

इस एलिवेटेड रोड पर रजनीगंधा अंडरपास की ओर से जाते समय सेक्टर-21ए नोएडा स्टेडियम चौराहे पर सेक्टर-11 झुंडपुरा की ओर जाने के लिए लूप दिया जाना है। इसी तरह सेक्टर-57 की ओर से आते समय सेक्टर-12 चौड़ा मोड़ पर सेक्टर-49 की ओर जाने को लूप दिया जाना है। नोएडा प्राधिकरण ने आईआईटी रुड़की को बतौर सलाहकार रखने का निर्णय लिया। सलाहकार के साथ-साथ एलिवेटेड रोड का डिजाइन और टेंडर कागजात की जांच करने का भी जिम्मा दिया जाना था। इसके लिए आईआईटी को पत्र लिखा गया। एक बार आईआईटी की टीम ने आकर मुआयना भी किया। इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए करीब छह महीने पहले आईआईटी ने अपनी फीस दो करोड़ 90 लाख रुपये बताई, जिसमें डेढ़ करोड़ रुपये शुरुआत में मांगे। नोएडा प्राधिकरण ने यह फीस नहीं दी। इस वजह से एलिवेटेड रोड बनाने की योजना अटक गई। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इस परियोजना का शिलान्यास किया था। इसका सेक्टर-12 चौड़ा मोड़ पर बोर्ड भी लगा है।

एमपी-1 मार्ग पर एलिवेटेड रोड बनाने की योजना करीब 15 साल पुरानी है। लेकिन किसी ने इस परियोजना के काम की शुरुआत नहीं की। ऐसे में यह योजना अभी तक कागजों में घूम रही है। इस एलिवेटेड रोड को पहले डीएनडी के टोल प्लाजा के पास से जोड़े जाने का निर्णय लिया गया था, लेकिन सेक्टर-16 रजनीगंधा चौराहे पर नीचे अंडरपास और ऊपर मेट्रो होने से मामला अटक गया। इसके बाद अंडरपास पार कर इसको बनाने का निर्णय लिया गया। इसके बावजूद योजना आगे नहीं बढ़ी।

नोएडा विकास प्राधिकरण के ओएसडी महेंद्र प्रसाद ने बताया कि आईआईटी को फीस का भुगतान करने से संबंधित फाइल प्रक्रिया में है। जल्द ही इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का चयन, फाइनल मुकाबले आज होंगे

गौतमबुद्धनगर । प्रदेश स्तरीय सब-जूनियर बालक कबड्डी प्रतियोगिता का दूसरा दिन नोएडा एजुकेशनल एकेडमी, सेक्टर-110, नोएडा फेज-2 में जिला खेल कार्यालय गौतमबुद्धनगर के तत्वावधान में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कबड्डी संघ के महासचिव राजेश कुमार, नोएडा एजुकेशनल एकेडमी की प्रधानाचार्या मंजू शर्मा, खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश के पर्यवेक्षक उपक्रीड़ा अधिकारी शमीम अहमद एवं शिकायत निदानकर्ता अधिकारी अभिषेक कुमार उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय स्तर के लिए चिन्हित किया गया। तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता में

प्रदेश के 18 मंडलों एवं 2 हॉस्टल टीमों ने प्रतिभाग किया, जिनमें वाराणसी, अलीगढ़, मिर्जापुर, मेरठ, सहारनपुर, लखनऊ, मुरादाबाद, गोरखपुर, प्रयागराज, बरेली, बस्ती, अयोध्या, चित्रकूट, देवीपाटन, झांसी, आगरा, आजमगढ़ मंडल तथा सैफई हॉस्टल और अमेठी हॉस्टल की टीमें शामिल रहीं।

प्रभारी क्रीड़ा अधिकारी, गौतमबुद्धनगर डॉ परवेज अली ने बताया कि प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले कल आयोजित किए जाएंगे। प्रतियोगिता के सफल संचालन में ज्योति नगर (बॉक्सिंग कोच), शीलंकुर (नेटबॉल कोच), देवेंद्र कौशिक (कार्यालय सहायक) सहित समस्त जिला खेल कार्यालय स्टाफ की सराहनीय भूमिका रही।

उत्तर मध्य रेलवे
No.- CC-2/Goods/Tender/Consultancy Agency/2025 दिनांकः 08.10.2025
ई-निविदा सूचना
ई-निविदा अधिसूचना सं. 02-2025, 03-2025, 04-2025, 05- 2025 & 06-2025
भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा की पद्धति से वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मण्डल के माध्यम से निम्नलिखित ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।
कार्य का नामः उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के अलीगढ़, मिर्जापुर, प्रयागराज, कानपुर और गौतम बुद्धनगर खंड में रेलवे व्यवसाय विकास योजना की पहचान करने के लिए परामर्श एजेंसी की नियुक्ति के लिए निविदा।

ई-निविदा अधिसूचना सं.	विज्ञापित मूल्य	बयाना राशि	निविदा दस्तावेज लागत
02-2025	₹9,47,590.00	₹ 19,000.00	₹ 1,180.00

खंड का विवरणः अलीगढ़ खंड (शिकोहाबाद-सोमा खंड, शिकोहाबाद-फर्रूखाबाद खंड और बरहन-एटा खंड)

ई-निविदा अधिसूचना सं.	विज्ञापित मूल्य	बयाना राशि	निविदा दस्तावेज लागत
03-2025	₹9,67,590.00	₹ 19,400.00	₹ 1,180.00

खंड का विवरणः मिर्जापुर खंड (जियोनाथपुर-करछना खंड और चुर्क-चुनार खंड)

ई-निविदा अधिसूचना सं.	विज्ञापित मूल्य	बयाना राशि	निविदा दस्तावेज लागत
04-2025	₹9,95,000.00	₹ 19,900.00	₹ 1,180.00

खंड का विवरणः प्रयागराज खंड (प्रयागराज छिवकी से मानिकपुर खंड और प्रयागराज छिवकी से रूमा खंड)।

ई-निविदा अधिसूचना सं.	विज्ञापित मूल्य	बयाना राशि	निविदा दस्तावेज लागत
05-2025	₹9,67,590.00	₹ 19,400.00	₹ 1,180.00

खंड का विवरणः कानपुर खंड (चकेरी-शिकोहाबाद खंड और इटावा मैनपुरी खंड)।

ई-निविदा अधिसूचना सं.	विज्ञापित मूल्य	बयाना राशि	निविदा दस्तावेज लागत
06-2025	₹9,95,000.00	₹ 19,900.00	₹ 1,180.00

खंड का विवरणः गौतम बुद्ध नगर खंड (दनवार-मारीपत खंड)।
उपरोक्त सभी निविदाओं हेतु निविदा पूर्ण होने की अवधिः 90 दिन, बोली आरम्भ तिथिः 17.10.2025, निविदा प्रपत्र को अपलोड करने की अंतिम तिथि व समयः दिनांक 31.10.2025 को समय 15.00 बजे तक। निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि व समयः दिनांक 31.10.2025 को समय, 15.30 बजे। संपर्क प्राधिकरणः वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/फ्रेट, मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय, उत्तर मध्य रेलवे, नवाब युसूफ रोड, सिविल लाइन, प्रयागराज-211001, फैक्स नं.: 0532-2407981
• ई-निविदा अधिसूचना, निविदा प्रपत्र/दस्तावेज एवं नियम व शर्तें इन्टरनेट वेबसाईट www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है एंव ई-निविदा अधिसूचना उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट www.ncr.indianrailways.gov.in पर भी देखा जा सकता है। • यदि निविदा सूचना के हिंदी और अंग्रेजी संस्करण के बीच कोई असमानता उत्पन्न होती है तो अंग्रेजी संस्करण मान्य होगा और उसका पालन किया जाएगा।
1877/25 FA
North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

एबीएस को एलएंडटी से 27 करोड़ का ऑफशोर पोत चार्टर अनुबंध मिला

मुंबई, एजेंसी। एबीएस मरीन सर्विसेज लिमिटेड जो जहाज प्रबंधन, पोत स्वामित्व, समुद्री और बंदरगाह सेवाओं में अग्रणी समुद्री कंपनियों में से एक है, ने घोषणा की है कि उसने भारत की प्रमुख इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा कंपनी लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड (एलएंडटी) के साथ एक चार्टर पार्टी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ यह नया चार्टर अनुबंध एबीएस मरीन के विविध ऑफशोर और बंदरगाह सेवा संचालन पोर्टफोलियो को और अधिक मजबूत करता है। हाल ही में, कंपनी ने कई उच्च-मूल्य वाले अनुबंध हासिल किए हैं, जिनमें ओएनजीसी और श्लमबर्जर एशिया सर्विसेज के साथ दीर्घकालिक चार्टर अनुबंध, तथा चेन्नई और विशाखापत्तनम बंदरगाह प्राधिकरणों के साथ बहुवर्षीय बंदरगाह सेवा समझौते शामिल हैं। ये सभी विकास एबीएस मरीन की भारत के ऑफशोर ऊर्जा, समुद्री लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह अवसंरचना पारिस्थितिकी तंत्र में बढ़ती उपस्थिति को दर्शाते हैं। साथ ही, यह कंपनी की मजबूत तकनीकी क्षमताओं, संचालन में उत्कृष्टता और जटिल समुद्री परियोजनाओं के लिए एक विश्वसनीय और पसंदीदा साझेदार के रूप में उसकी प्रतिष्ठा को भी उजागर करते हैं। वित्तीय प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए एबीएस मरीन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक कैप्टन पी.बी. नारायणन ने कहा- लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड के साथ यह चार्टर अनुबंध एबीएस मरीन की भारत के ऑफशोर और ऊर्जा लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में उपस्थिति बढ़ाने के हमारे निरंतर प्रयासों की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। एलएंडटी जैसी प्रतिष्ठित कंपनी के साथ साझेदारी करना हमारे संचालन क्षमता और सुरक्षा-प्रमुख दृष्टिकोण में उद्योग के भरोसे की पुष्टि करता है। इस परियोजना के लिए हमारे डीपी2 प्लेटफॉर्म सप्लाई वेसल की तैनाती हमारे बेड़े के उपयोग को और बढ़ाएगी और हमारी नियमित राजस्व धारा में योगदान देगी। पिछले एक वर्ष में, हमने ऑफशोर, पोर्ट और विशिष्ट समुद्री सेवाओं के क्षेत्रों में उत्साहजनक वृद्धि देखी है, और यह अनुबंध उस विकास गति को और बल देता है। यह हमारे ग्राहकों द्वारा हमारे लोगों, प्रदर्शन और विश्वसनीयता में जताए गए विश्वास का स्पष्ट प्रमाण है।

डीपीएनजी की पेशकश पर त्यौहारी सीजन में कीमत कटौती की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की अग्रणी सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी थिंक गैस ने उत्तर प्रदेश, बिहार और पंजाब में कंप्रेस्ड नैचुरल गैस (सीएनजी) पर 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम कीमत घटाने की आज घोषणा की जो तत्काल प्रभाव से लागू है। कंपनी इन राज्यों में घरेलू पाइप्ड नैचुरल गैस (डीपीएनजी) की कीमतों में भी 3 रुपये प्रति एससीएम की कमी करेगी। कंपनी ने त्यौहारी सीजन से पहले यह पहल की है जिससे व्यापक स्तर पर ग्राहकों को स्वच्छ ऊर्जा समाधान अपनाने की दिशा में प्रोत्साहन मिलेगा और साथ ही उन्हें काफी बचत भी होगी। थिंक गैस के प्रबंध निदेशक और सीईओ अभिलेश गुप्ता ने कहा, हम हमारे ग्राहकों को मूर्त लाभ उपलब्ध कराने को लेकर प्रतिबद्ध हैं और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा तैयार किए जा रहे अनुकूल नीतिगत वातावरण से उत्साहित हैं। हाल ही में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा सीएनजी और पीएनजी के लिए घरेलू प्राकृतिक गैस का अग्रिम आबंटन जैसे किए गए नीतिगत उपायों के साथ ही टैरिफ जोन्स घटाने के लिएसन्निकट संसोधन से आपूर्ति पूर्वानुमान बढ़ा है, परिवहन लागत घटी है और सीडीजी क्षेत्र की वित्तीय व्यवहार्यता मजबूत हुई है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के निरंतर सहयोग के साथ हम ये लाभ हमारे ग्राहकों तक पहुंचाने की अच्छी स्थिति में हैं। बागपत (यूपी), बेगूसराय (बिहार), बरनाला, मोगा, कपूरथला, लुधियाना और एसबीएस नगर (पंजाब) में सीएनजी की दरें 2.50 रुपये प्रति किलोग्राम और डीपीएनजी की कीमतें 3 रुपये प्रति एससीएम घटा दी गई हैं।

ट्रंप के लाडले बैरन ने भेदिया कारोबार से पैसे कमाए?

टैरिफ संकट के बीच क्रिप्टो शॉर्ट करने के आरोप

नईदिल्ली, एजेंसी।
क्रिप्टो की दुनिया में एक खबर ने बवाल मचा दिया है और इसमें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे छोटे बेटे बैरन ट्रंप का नाम शामिल है। खबरों के अनुसार 10 अक्तूबर को चीन पर 100त्न टैरिफ लगाने के ट्रंप के फैसले से महज कुछ घंटे पहले अमेरिका में लाखों डॉलर मूल्य का एक बिटकॉइन शॉर्ट किया गया। इस फैसले के तुरंत बाद बिटकॉइन कीमतें फिसल गईं। जिस व्यक्ति ने यह शॉर्ट किया था उसे कथित तौर पर 16 करोड़ से 20 करोड़ डॉलर का मुनाफा हुआ। हालांकि उस ट्रेडर की पहचान अब तक जाहिर नहीं हुई है, लेकिन सोशल मीडिया पर कयास लगाए जा रहे हैं कि वह ट्रेडर और कोई नहीं बैरन ट्रंप हैं। ट्रम्प के सबसे छोटे बेटे के क्रिप्टो ट्रेडिंग में

शामिल होने की पिछली रिपोर्टों के बीच इस अटकलबाज़ी को बल मिला है। क्रिप्टो की कीमतों में गिरावट पर दांव लगाने की विरोधाभासी प्रकृति और प्रमुख नीतिगत फैसलों में इसकी संलिप्तता को देखते हुए, कई लोगों का मानना है कि यह ट्रम्प परिवार का कोई करीबी था जिसे नीतिगत फैसले की जानकारी लीक हुई थी। लेकिन, अभी तक ऐसी कोई पुष्ट रिपोर्ट नहीं है जिससे पता चले कि बैरन ट्रंप इस सौदे में शामिल व्यापारी नहीं थे। इसके अलावा, जिन्न नाम के एक उपयोगकर्ता ने बिटकॉइन सौदे के पीछे खुद को व्यापारी बताया और स्पष्ट किया कि इस सौदे में ट्रंप के परिवार की कोई संलिप्तता नहीं थी। उपयोगकर्ता ने कहा कि यह सौदा ÷तकनीकी विश्लेषण÷ और बिटकॉइन की एक परिसंपत्ति के रूप में ÷अतिमूल्यवान÷ प्रकृति पर आधारित था। गौरतलब है कि ट्रंप की घोषणा के बाद क्रिप्टो बाजार में भूचाल दिखा। सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी में गिरावट देखी गई। बिटकॉइन 1,25,000 से गिरकर 105,000 पर आ गया। हालांकि, सोमवार को बाजाार खुलते ही इनकी कीमतों में अचानक उछाल आया। ट्रंप के टैरिफ निर्णय के बाद बिटकॉइन की कीमतों में गिरावट चीन पर टैरिफ के एलान के बाद क्रिप्टो बाजार में हाल के समय में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान बिटकॉइन 8.4त्न तक फिसल गयाऔर सभी प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी प्रभावित हुईं। क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म कॉइनग्लास ने बताया कि शुक्रवार को 16 लाख व्यापारियों ने अपनी

टाटा एआईजी सर्वेक्षण में पाया गया कि, 4 में से 3 कार्डिओलॉजिस्ट्स का मानना है कि, अधिकांश हार्ट पेशंट 50 वर्ष से कम आयु के हैं

मुंबई, एजेंसी। भारत की एक अग्रणी जनरल इन्शुरन्स कंपनी, टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने अपने राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के निष्कर्ष आज जारी किए, जिसमें लगभग 300 कार्डिओलॉजिस्ट्स के रिस्पॉन्सेस रिकॉर्ड किए गए। इस सर्वेक्षण में युवा भारतीयों में गंभीर हृदय बिमारियों का सामना करने की चिंताजनक प्रवृत्ति का खुलासा हुआ है, साथ ही प्रारंभिक चेतावनी के संकेतों के बारे में लोगों की अज्ञानता और अपर्याप्त वित्तीय तैयारी भी सामने आई है। यह सर्वेक्षण पिछले एक दशक में हृदय देखभाल में आए एक बड़े बदलाव को दर्शाता है। अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि किस प्रकार हृदय रोग युवा भारतीयों को तेज़ी से प्रभावित कर रहा है, 74 प्रतिशत डॉक्टरों ने बताया कि उनके अधिकांश मरीज़ अब 50 वर्ष से कम आयु के हैं। वर्तमान में, 36 प्रतिशत डॉक्टरों के पास आने वाले हृदय मरीज़ों की आयु 31-40 के बीच है, और 38 प्रतिशत डॉक्टरों के पास 41-50 आयु वर्ग के हृदय मरीज़ आते हैं। एक दशक पहले 87 प्रतिशत मामले 41 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों के होते थे। सर्वेक्षण के निष्कर्षों के बारे में, सीनियर एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट और कंज्यूमर क्लेम्स के नेशनल हेड, श्री राजगोपाल रुद्रराजू ने कहा, यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि भारत की हृदय संबंधी चुनौती मेडिकल और वित्तीय दोनों है। युवा लोगों में हृदय की बीमारी की बढ़ती घटनाओं का मतलब है कि परिवार इन समस्याओं के लिए भावनात्मक और आर्थिक दोनों रूप से तैयार नहीं होते हैं। पिछले पांच वर्षों में, कार्डियोलॉजी उपचार की लागत लगभग 65 प्रतिशत से बढ़ी है। हैरानी की बात है कि 78 प्रतिशत डॉक्टरों ने बताया कि मरीज़ सीने में दर्द या बेचैनी को अनदेखा कर देते हैं, जब कि यह हृदय संबंधी समस्याओं का सबसे महत्वपूर्ण प्रारंभिक चेतावनी संकेत है। कई लोग सांस फूलने और किसी भी स्पष्ट कारण के बिना आने वाली थकान को भी नज़रअंदाज़ कर देते हैं, जिससे निदान में देरी होती है।

इस त्योहारी मौसम में 'संसार' लाए

इंदौर, एजेंसी। भारत में त्योहार केवल रीति-रिवाज़ निभाने का समय नहीं होते, बल्कि रिश्तों के फिर से करीब आने का अवसर होते हैं। यह वह मौसम है जब परिवार एक साथ बैठते हैं, पुराने दोस्त अचानक मिलने चले आते हैं और पड़ोसी चाय के एक प्याले पर घंटों हँसी-मज़ाक में डूब जाते हैं। ऐसे में घर को भी उसी आत्मीयता, उत्साह और रंगीनता से भरा होना चाहिए, वह स्वागत करने वाला, जीवंत और व्यक्तित्व से भरपूर होना चाहिए। अगर आप अपने घर को त्योहारी रंग-रूप देना चाहते हैं, तो इसका सर्वोत्तम उपाय संसार है। डी'डेकोर समूह के अंतर्गत आने वाला यह गृह-सज्जा ब्रांड आपके घर को सादगी, गरिमा और गर्मजोशी से निखारने का सहज तरीका प्रदान करता है। इसके सुंदर कपड़े और सजावटी उत्पाद आपके घर में आकर्षण बढ़ाते हैं, बिना जगह को बोझिल बनाए।

दिवाली के रंगों में सजा फैबइंडिया का नया स्वर्णिम 2025 कलेक्शन

मुंबई, एजेंसी।
रोशनी, स्नेह और उल्लास के इस मौसम में, फ़ैबइंडिया ने अपने स्वर्णिम दिवाली 2025 कलेक्शन पेश किया है। गहरे पर्पल और ब्लू शेड्स से बना यह कलेक्शन पारंपरिक कारीगरी को आधुनिक डिज़ाइन के साथ जोड़ता है, जो त्योहार के दौरान पहनावे और उपहार दोनों के लिए उपयुक्त है। फ़ैबइंडिया के तैयार किये गए प्रत्येक पीस में भारतीय कारीगरी के प्रति प्रतिबद्धता झलकती है। यह कलेक्शन हस्तनिर्मित कपड़ों और बारीक हस्तकला को आधुनिक डिज़ाइन के साथ जोड़ता है साथ ही हमारे भारतीय विरासत को दर्शाता है जिसमे परंपरा और आधुनिकता का परिपूर्ण मेल है इस कलेक्शन को पूरे परिवार के लिए खास रूप से तैयार किया गया है, महिलाओं के लिए सुंदर कढ़ाईदार और प्रिंटेड कुर्ते, ट्यूनिक और सिल्क साड़ियाँ हैं; पुरुषों के लिए पारंपरिक स्पर्श के साथ बने मॉडर्न कट्स वाले कुर्ता और बंदगला जैकेट उपलब्ध हैं। बच्चों के आउटफिट जैसे स्कर्ट सेट और धोती-कुर्ता सेट को आराम और स्टाइल को ध्यान में रख के तैयार किया गया है फ़ैबइंडिया की फ़ैबहोम रेंज आपके घर को त्योहारी चमक देता है। हाथ से बने दीये, लैंप, कढ़ाईदार सिल्क कुशन, पीतल की थालियाँ आपके घर में आकर्षण बढ़ाते हैं। साथ ही ये उपहार देने के लिए भी एकदम उपयुक्त हैं, जो परंपरा और शान का सुंदर मेल दर्शाते हैं।

सूर्या रोशनी ने बढ़ाया अपना विस्तार

मालनपुर में वायर्स एंड केबल्स प्लांट का शुभारंभ

ग्वालियर, एजेंसी।
सूर्या रोशनी, जो लाइटिंग, फैन, होम एप्लायंसेज़, स्टील और पीवीसी पाइप्स के क्षेत्र में देश के सबसे विश्वसनीय और सम्मानित ब्रांड्स में से एक है, ने आज अपने नए वायर्स एंड केबल्स प्लांट का शुभारंभ किया। इस प्लांट का उद्घाटन श्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया, केंद्रीय संचार मंत्री एवं उत्तर-पूर्व क्षेत्र के विकास मंत्री, तथा श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, ऊर्जा मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार, द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूजा एवं हवन से हुई, जिसके बाद रिबन काटकर प्लांट का उद्घाटन किया गया। तत्पश्चात अतिथियों ने नए प्लांट का दौरा किया और उसकी अत्याधुनिक तकनीक का अवलोकन किया। सूर्या रोशनी का यह नया प्लांट कंपनी की दीर्घकालिक विकास दृष्टि का हिस्सा है, जिसके तहत कंपनी अपने उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार कर रही है और उच्च गुणवत्ता वाले औद्योगिक एवं उपभोक्ता उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करना चाहती है। यह यूनिट अत्याधुनिक तकनीक और पूरी तरह ऑटोमैटिक मशीनरी के साज-सामान से युक्त है, जिससे देश और विदेश दोनों के गुणवत्ता मानकों के अनुरूप वायर्स और केबल्स का निर्माण किया जाएगा। देश के केंद्र में स्थित मालनपुर प्लांट कंपनी के लिए एक रणनीतिक स्थान है, जिससे पूरे भारत के प्रमुख बाजारों को आसानी से सेवा दी जा सकेगी। यह न केवल उत्पादन क्षमता को बढ़ाएगा बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और यह 'मेक इन इंडिया' पहल को भी मजबूत करेगा। जे. पी. अग्रवाल, चेयरमैन, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट हमारे लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हमारे गुणवत्ता और क्षेत्रीय विकास के प्रति समर्पण को दर्शाता है। यह नया प्लांट भारत की विद्युत संरचना को मजबूत बनाने में सहायक उच्च गुणवत्ता वाले वायर्स और केबल्स तैयार करेगा और स्थानीय स्तर पर नए अवसर उत्पन्न करेगा। राजू बिष्टा, प्रबंध निदेशक, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, यह उद्घाटन सूर्या की यात्रा में एक अहम पड़ाव है। पिछले पाँच दशकों में हमने भारत की विद्युत संरचना और घरेलू आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए विविध क्षेत्रों में विस्तार किया है। अब वायर्स एंड केबल्स क्षेत्र में प्रवेश कर हम देश को विश्वसनीय, सुरक्षित और उच्च गुणवत्ता वाले विद्युत समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कौस्तुभ कर्माकर, निदेशक, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट एक अत्याधुनिक, पूर्णतः एकीकृत सुविधा है जो उच्च गुणवत्ता वाले तैयार उत्पादों का निर्माण करेगी। यह प्लांट क्षेत्र में रोजगार सृजन के साथ-साथ व्यापारिक विकास को भी गति देगा। वासुमित्र पांडे, सीईओ ङ्क लाइटिंग एवं कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, सूर्या रोशनी लिमिटेड ने कहा, मालनपुर वायर्स एंड केबल्स प्लांट हमारे निर्माण

कोटक बिज़लैब्स ने भारत में 75 से अधिक साहसी स्टार्टअप्स को सशक्त बनाने के लिए सीज़न 2 शुरू किया

मुंबई, एजेंसी। आज कोटक महिंद्रा बैंक ने अपने कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम का दूसरा सीज़न शुरू किया। यह प्रोग्राम इसके मुख्य सीएसआर अभियान के तहत चलाया जा रहा है, जिसका उद्देश्य अरली स्टेज के स्टार्टअप्स को मेंटरशिप, बाजार की पहुँच और पूंजी उपलब्ध कराना है। सीज़न 2, अक्टूबर 2025 से नवंबर 2026 तक चलेगा। इसमें भारत के 75 से अधिक स्टार्टअप्स को सहयोग प्रदान किया जाएगा, जो डीप-टेक, सस्टेनेबिलिटी, क्लीन एनर्जी, फिनटेक, डिजिटल टेक्नोलॉजी, एडटेक, एग्रीटेक और हैल्थटेक पर केंद्रित होगा। इस प्रोग्राम का विस्तार उत्तर भारत, दक्षिण भारत, पश्चिमी भारत और मध्य भारत में हो रहा है। आईआईटी दिल्ली का फाउंडेशन फॉर इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी ट्रांसफर (एफआईटीटी) इसका नया इनक्यूबेशन पार्टनर है। अन्य इनक्यूबेशन पार्टनर आईआईएमए वेंचर्स, एनएसआरसीईएल - आईआईएम बैंगलोर और टी-हब हैं। वेंचर्स के चयन और एक्सेलरेशन सपोर्ट का काम इनक्यूबेटर्स द्वारा संभाला जाएगा। कोटक महिंद्रा बैंक के हेड-सीएसआर एवं ईएसजी, हिमांशु निवरसरकर ने कहा, ''कोटक ने सदैव से भारत में उद्यमिता की भावना को अपना सहयोग देने में यकीन किया है। हम केवल मेट्रो शहरों में नहीं, बल्कि टियर 2 और टियर 3 शहरों के उद्यमों को भी सहयोग देते हैं, जहाँ इनोवेशन का विकास हो रहा है। कोटक बिज़लैब्स एक्सेलरेटर प्रोग्राम के सीज़न 2 के साथ हम उन उद्यमियों को मदद देने की अपनी

विकसित कृषि संकल्प अभियान का किया समर्थन

मुंबई, एजेंसी।
भारत की अग्रणी सामान्य बीमा कंपनियों में से एक, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय के साथ मिलकर दो राष्ट्रीय अभियानों – प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान और विकसित कृषि संकल्प अभियान में सक्रिय भागीदारी की घोषणा की है। इन संयुक्त पहलों का उद्देश्य प्रमुख राज्यों – मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, तमिलनाडु और कर्नाटक – के किसानों को खरीफ मौसम के दौरान सशक्त और सहयोग प्रदान करना है। इसके ज़रिए एसबीआई जनरल इंश्योरेंस का लक्ष्य किसानों में फसल बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उन्हें आर्थिक रूप से मज़बूत बनाना और देशभर में टिकाऊ कृषि विकास को प्रोत्साहित करना है।

मेरी पॉलिसी मेरे हाथ अभियान, जो 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, का उद्देश्य प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से जुड़े हर किसान तक सीधे पहुंचना है। इस पहल के तहत किसानों को उनकी फसल बीमा पॉलिसी सीधे उनके घर पर सौंपी जाएगी, ताकि प्रक्रिया सरल और सुलभ बने। पॉलिसी वितरण के अलावा, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस फसल बीमा पाठशालाओं, महिला केंद्रित कार्यशालाओं जैसे व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा, जो किसानों को फसल बीमा योजनाओं के लाभों और कवरेज विवरणों के बारे में शिक्षित करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से किसानों को दावे से संबंधित प्रक्रियाएं, आवश्यक दस्तावेज़ और समयसीमा के बारे में मार्गदर्शन मिलेगा, जिससे वे किसी कठिन परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ दावा कर सकें और अधिकतम सहायता प्राप्त कर सकें।

विकसित कृषि संकल्प अभियान, जो 3 अक्टूबर से 18 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारतीय कृषि में परिवर्तन लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह अभियान किसानों में आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी बढ़ाने पर केंद्रित है, जो पारंपरिक तरीकों को आधुनिक नवाचारों से जोड़ती हैं। सटीक खेती, स्मार्ट सिंचाई और फसल प्रबंधन पर ध्यान देते हुए यह अभियान किसानों को टिकाऊ समाधानों से परिचित कराएगा, जिससे उनकी उत्पादकता और आय स्थिरता दोनों में वृद्धि हो सके। इस अवसर पर श्री नवीन चंद्र झा, प्रबंध निदेशक और सीईओ, एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने कहा- पिछले नौ वर्षों से एसबीआई जनरल को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का साझेदार होने का गौरव प्राप्त है। हमारा वचन केवल बीमा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि हर कदम पर किसानों को सुरक्षा और भरोसा प्रदान करना है। किसानों को जागरूकता, पहुँच और आत्मनिर्भरता से सशक्त बनाकर, हम उन्हें अनिश्चितताओं से आत्मविश्वासपूर्वक निपटने में मदद करते हैं। ज़मीनी स्तर पर सीधा संवाद और प्रमुख हितधारकों के साथ सहयोग के माध्यम से हम किसानों की आजीविका की रक्षा, उनकी कमजोरियों

सैमसंग ने 'एआई फॉर ऑल विज़न के साथ इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2025 में भारत की एआई क्रांति का नेतृत्व किया

गुरुग्राम, एजेंसी।
भारत का सबसे बड़ा कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में अपने एआई फॉर ऑल विज़न के माध्यम से लोगों के जीने, जुड़ने और नवाचार करने के तरीके को फिर से परिभाषित कर रहा है। इनोवेट टु ट्रांसफॉर्म थीम के साथ तालमेल बिठाते हुए, आईएमसी में सैमसंग का प्रदर्शन एआई-पावर्ड लिविंग और स्थायी कनेक्टिविटी के भविष्य को साकार करता है। सैमसंग के बूथ को उपभोक्ताओं और सभी प्रतिष्ठित दिग्गजों से ज़बरदस्त प्रतिक्रिया मिली, जिनमें श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, केंद्रीय संचार और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री, श्री पेम्मासानी चंद्रशेखर,

संचार राज्य मंत्री और श्रीमती रेखा गुप्ता, दिल्ली की मुख्यमंत्री शामिल थीं। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग के सचिव डॉ. नीरज मित्तल और उत्तर प्रदेश के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी कैबिनेट मंत्री श्री सुनील कुमार शर्मा ने प्रदर्शित किए गए अत्याधुनिक समाधानों का अनुभव लिया। गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथवेस्ट एशिया ने किया, जिन्होंने सैमसंग के नए एआई-पावर्ड इनोवेशंस का प्रदर्शन किया। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया ने कहा, इंडिया मोबाइल कांग्रेस नवाचार और जीवन को बदलने की तकनीक की शक्ति का उत्सव है। सैमसंग में, हम इस भावना को गहराई से साझा करते हैं। हमारा 'एआई फॉर ऑल' विज़न हमारे विश्वास को दर्शाता है कि एआई को पूरे भारत में हर व्यक्ति, व्यवसाय और समुदाय को सशक्त बनाना चाहिए। आईएमसी 2025 में अपने एआई के नेतृत्व वाले नवाचारों का प्रदर्शन करते हुए, हम भारत के साथ भविष्य के सह-निर्माण की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं – एक ऐसा भविष्य जहाँ तकनीक समावेशन को बढ़ावा देती है, नए अवसर खोलती है, और लोगों को बेहतर, अधिक स्मार्ट जीवन जीने में मदद करती है। बुद्धिमत्ता को सहजता से जोड़कर भविष्य को आकार देना जारी रखा है। सैमसंग एआई होम स्मार्टफोन और टीवी से लेकर वियरेबल्स और अप्लायंसेस तक – विभिन्न श्रेणियों में बेहतरीन अनुभव प्रदान करता है। इस इकोसिस्टम के केंद्र में, स्मार्टथिंग्स ऐप सैमसंग उत्पादों को हजारों भागीदार उपकरणों से जोड़ता है, ऐसे घर बनाता है जो न केवल यूजर्स के लिए काम करते हैं बल्कि उनके साथ मिलकर भी काम करते हैं।

पेंशनभोगियों के लिए जीवन प्रमाणपत्र अभियान अगले महीने से होगा शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी।
केंद्र सरकार 1 से 30 नवंबर तक पेंशनभोगियों के लिए देशव्यापी डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र (डीएलसी) अभियान चलाएगी। इसमें देशभर के 2,000 जिलों और उपमंडल मुख्यालयों को शामिल किया जाएगा। पेंशन और पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) का यह चौथा अभियान होगा। पेंशनभोगियों को पेंशन जारी रखने के लिए हर साल नवंबर महीने में जीवन प्रमाणपत्र जमा करना होता है।

यह अभियान 19 पेंशन वितरण बैंकों, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी), पेंशनभोगी कल्याण संघों (पीडब्ल्यूए), रक्षा लेखा महानियंत्रक (सीजीडीए), दूरसंचार विभाग (डीओटी), रेलवे, भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) और इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के सहयोग से चलाया जाएगा। इसका उद्देश्य देश के दूरदराज के हिस्सों में प्रत्येक पेंशनभोगी तक पहुंच सुनिश्चित करना है। कार्मिक मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इस वर्ष भी इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक अपने 1.8 लाख डाकियों और ग्रामीण डाक सेवकों (जीडीएस) के विशाल नेटवर्क के जरिये सभी जिलों में डीएलसी शिविरों का आयोजन करेगा। इससे सभी श्रेणी के पेंशनभोगियों को उनके बैंक की परवाह किए बिना उनके घर तक डीएलसी सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

खास खबर

कृषि अधिकारी की करंट लगने से मौत, रायगढ़ में एक खेत में बिजली का तार बिछाने से हुआ हादसा

रायगढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र के भेलवाटोली गांव में रविवार रात खेत में बिछाए गए करंट की चपेट में आने से कृषि अधिकारी की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक कृषि अधिकारी की पहचान लाल कुमार साहू के रूप में हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर घटना की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, लाल कुमार साहू पुत्र त्रिलोचन साहू, निवासी भेलवाटोली, रविवार रात अपने खेत का काम पूरा कर घर लौट आए थे। देर रात किसी कार्यवश दोबारा खेत जाने पर वह करंट की चपेट में आ गए। बताया जा रहा है कि किसी व्यक्ति ने जंगली सूअरों से फसल को बचाने के लिए खेत में अवैध रूप से बिजली का तार बिछा रखा था, जिसकी चपेट में आने से यह हादसा हुआ। घटना की सूचना मिलते ही लैलूंगा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कृषी अधिकारी के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा और पोस्टमॉर्टम कराने की कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने आसपास के खेतों में बिछाए गए तारों की जांच भी की है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से जंगली सूअरों के आतंक के कारण कई लोग इस तरह अवैध रूप से करंट वाले बिजली तारों का सहारा लेते हैं, जिससे ऐसे हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच प्रारंभ कर दी है और दोषी व्यक्ति की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सोनिया गांधी ने हिमाचल के पूर्व मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान पर सोमवार को प्रदेश के 6 बार मुख्यमंत्री रहे और जनता के प्रिय नेता स्वर्गीय वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का भव्य अनावरण हुआ। इस अवसर पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रिमोट का बटन दबाकर वीरभद्र सिंह की प्रतिमा का अनावरण किया। वीरभद्र सिंह की प्रतिमा रिज मैदान के दौलत सिंह पार्क में स्थापित की गई है, जहां पहले से हिमाचल निर्माता डॉ. वाई.एस. परमार, महात्मा गांधी, इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी जैसी महान हस्तियों की प्रतिमाएं मौजूद हैं। वीरभद्र सिंह की प्रतिमा डॉ. वाई.एस. परमार की प्रतिमा के बिल्कुल समीप लगाई गई है। यह नौ फुट ऊंची प्रतिमा विशेष ब्रॉन्ज मिश्र धातु से बनी है, जो मौसम प्रतिरोधी और टिकाऊ है। इसका वजन लगभग 650 किलोग्राम है। प्रतिमा सफेद ग्रेनाइट पत्थर के मंच पर स्थापित है, जिस पर लिखा है आधुनिक हिमाचल निर्माता-वीरभद्र सिंह और नीचे अंकित है ॥हिमाचल के हर क्षेत्र, हर वर्ग का समान विकास। यह प्रतिमा नोएडा में कुशल कारीगरों द्वारा तैयार की गई है और जून 2025 में ही रिज मैदान पर स्थापित कर दी गई थी। लेकिन लगातार बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के कारण अनावरण समारोह कई बार स्थगित करना पड़ा। पहले यह कार्यक्रम 23 जून को वीरभद्र सिंह की जयंती पर होना तय था, फिर 15 जुलाई तक टाला गया, परंतु भारी बारिश के चलते वह भी संभव नहीं हो पाया। मूर्ति अनावरण के दौरान सोनिया गांधी के साथ-साथ प्रियंका गांधी वाड्रा, मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट, दीपेंद्र हुड्डा, राजीव शुक्ला, रजनी पाटिल और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह सहित कई अन्य नेता मौजूद रहे।

महाराष्ट्र में नया सियासी समीकरण, संजय राउत बोले- राज ठाकरे चाहते हैं कि कांग्रेस भी साथ हो

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र में गठबंधन राजनीति को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना चाहती है कि कांग्रेस को भी साथ लेकर चला जाए। राउत की इस टिप्पणी से संकेत मिलते हैं कि राज ठाकरे नीत मनसे महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी का हिस्सा बन सकती है। हालांकि, राउत के बयान के बाद मनसे ने कहा कि पार्टी का रुख पार्टी प्रमुख तय करेंगे। मनसे नेता संदीप देशपांडे ने शिवसेना नेता की टिप्पणी को खारिज करते हुए कहा, 'पार्टी ही अपना रुख बताएगी कोई और नहीं। भविष्य में भी केवल हम ही अपना रुख बताएंगे।' मनसे के संबंध में संजय राउत की टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब राज्य में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए चचेरे भाइयों राज ठाकरे और शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे के हाथ मिलाने की अटकलें हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मनसे प्रमुख एमवीए का हिस्सा बनेंगे या नहीं। यह पूछे जाने पर कि क्या राज ठाकरे एमवीए का हिस्सा बनने के लिए तैयार हैं? राउत ने कहा, 'राज ठाकरे भी चाहते हैं कि कांग्रेस को साथ लेकर चला जाना चाहिए। यही उनका रुख है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इस पर कोई फैसला हो चुका है।' संजय राउत ने कहा कि उन्होंने कुछ मुद्दों पर कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल से बात की है और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष नेता राहुल गांधी से भी चर्चा करेंगे।

कौन हैं कन्नन गोपीनाथन, आर्टिकल 370 हटाने के विरोध में छोड़ी आईएएस की नौकरी, कांग्रेस में शामिल

नई दिल्ली, एजेंसी। साल 2012 बैच के आईएएस यानी भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी कन्नन गोपीनाथन सोमवार को कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। इस मौके पर उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही देश को सही दिशा में ले जा सकती है। खास बात है कि 2019 में जम्मू और कश्मीर में अनुच्छेद 370 समाप्त होने के बाद उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था, लेकिन खबर है कि अब तक इसे स्वीकार नहीं किया गया है।

कौन हैं कन्नन गोपीनाथन : साल 2012 बैच के एजीएमयूटी यानी अरुणाचल प्रदेश-गोवा-मिजोरम और केंद्र शासित प्रदेश कैडर के गोपीनाथन ने 2019 में इस्तीफा दे दिया था। वह मिजोरम के आइजोल में कलेक्टर रहे और दादर और नगर हवेली और दमन और दियु में अहम विभागों में सचिव पद पर रहे। साल 2020 में मातृभूमि से बातचीत में गोपीनाथन ने बताया था कि यूपीएससी परीक्षा में उन्होंने 59वीं रैंक हासिल की थी। केरल से आने वाले गोपीनाथन के पिता भी सरकारी कर्मचारी रहे थे।

कांग्रेस में क्यों हुए शामिल : कांग्रेस में शामिल होने के बाद गोपीनाथ ने कहा, मैंने 2019 में नौकरी से इस्तीफा दिया और तब ये पता था कि सरकार देश को जिस दिशा में लेकर जा रही है, वह रास्ता गलत है। मुझे यह भी पता था कि इस गलत के खिलाफ लड़ना है। इस फैसले के बाद मैं देश के 80-90 जिलों में गया, लोगों से बातचीत की

और तमाम नेताओं से मुलाकात की। मुझे समझ आया कि कांग्रेस ही इस देश को सही दिशा में ले जा सकती है। झ

उन्होंने कहा, हम बहुत समय बाद प्रजा से नागरिक बने थे, क्योंकि हमें सवाल पूछने का हक है। मगर हमने यह भी देखा कि इस सरकार में जो भी सवाल पूछता है, उसे देशद्रोही बता दिया जाता है। उन्होंने कहा, मुझे काफी वक्त लगा लेकिन खुशी है कि आज मैं कांग्रेस पार्टी से जुड़ा हूं और मुझे पार्टी जो भी जिम्मेदारी देगी, उसे पूरी ईमानदारी से निभाऊंगा। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने कहा, आर्टिकल 370 खत्म करने का फैसला भले ही सरकार का हो, लेकिन अगर आप पूरे राज्य को बंद कर देंगे, सभी पत्रकारों, सांसदों और पूर्व मुख्यमंत्रियों को जेल भेज देंगे, आवागमन बंद कर देंगे, संचार और इंटरनेट बंद कर देंगे, तो क्या यह सही है? यह सिर्फ मेरे लिए ही नहीं, बल्कि हम सभी के लिए है। उन्होंने कहा, क्या यह लोकतांत्रिक देश में ही हो सकता है। क्या इसके खिलाफ आवाज नहीं उठाई जानी चाहिए। मैंने वो सवाल उठाया और आज भी उसके साथ खड़ा हूं। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ उन लोगों को गद्दार मानता हूं, जो जानते हैं कि देश सही दिशा में नहीं जा रहा है, लेकिन अपने फायदे के लिए चुप हैं। मुझे वैसा गद्दार नहीं बनना है।

कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स पेज पर एक पोस्ट में उनका परिचय देते हुए कहा, कन्नन गोपीनाथन 2012 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी रहे। कन्नन गोपीनाथन ने जम्मू- कश्मीर को राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनाए जाने के खिलाफ आवाज उठाई और नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के मुद्दे पर भी मुखर रहे। उन्होंने संदेश दिया कि लोगों से बोलने का हक नहीं छीना जा सकता है। कई एफआईआर और तमाम कार्रवाई झेलीं, लेकिन वे डरे और झुके नहीं। आखिर में उन्होंने ऐसी नौकरी छोड़ दी, जिसे सब हासिल करना चाहते हैं। हमें खुशी है कि गोपीनाथन जी ने कांग्रेस पार्टी को चुना। हमारे दरवाजे हर उस आवाज के लिए खुले हैं, जो आजादी और न्याय की बात करती है।

पीएम नरेंद्र मोदी 25 नवंबर को करेंगे अयोध्या राम मंदिर का ध्वजारोहण, निर्माण पूरे होने का मनेगा जश्न

अयोध्या, एजेंसी। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 25 नवंबर को अयोध्या में मुख्य मंदिर पर ध्वजारोहण के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया है। यह समारोह राम मंदिर के प्रतीकात्मक निर्माण के पूर्ण होने का प्रतीक होगा। मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री ने सैद्धांतिक रूप से तिथि स्वीकार कर ली है और इस कार्यक्रम में उनकी भागीदारी के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। प्रधानमंत्री मोदी मंदिर का ध्वज फहराएंगे, जो हिंदू परंपरा का एक पवित्र प्रतीक है, जिससे भारत और दुनिया भर के श्रद्धालुओं को राम मंदिर परिसर की तैयारी का संकेत मिलेगा। नृपेंद्र मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा ध्वजारोहण इस बात का प्रतीक है कि मंदिर और उससे जुड़ी संरचनाएं अब तैयार हैं और श्रद्धालुओं के लिए खुल गई हैं। यह समारोह चरणबद्ध निर्माण प्रक्रिया के समापन का प्रतीक होगा, जिसकी शुरुआत 2022 में भूतल के निर्माण के साथ हुई थी और जिसमें पिछले वर्ष 2024 में प्राण-प्रतिष्ठा समारोह भी शामिल था। भवन-निर्माण समिति चेयरमैन व प्रधानमंत्री संग्रहालय के चेयरमैन नृपेन्द्र मिश्र का कहना है कि 25 नवम्बर के बाद आम श्रद्धालुओं के लिए मंदिर परिसर को पूरी तरह खोल दिया जाएगा। श्रद्धालुगण यहां निर्धारित व्यवस्था के अनुसार परकोटे के मंदिरों, शेषावतार व कुबेर टीला के अलावा सप्त मंडपम का दर्शन कर सकते हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 25 नवम्बर के पहले पंचवटी का भी निर्माण पूरा हो जाएगा।

टिकट के लिए अब काउंटरों पर लगने की जरूरत नहीं! दिल्ली के स्टेशनों पर है खास इंतजाम

नई दिल्ली, एजेंसी। त्योहारों का मौसम आते ही नॉर्दर्न रेलवे ने यात्रियों के लिए कमर कस ली है। दिवाली और छठ की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने खास इंतजाम शुरू कर दिए। इस बार नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों के साथ-साथ शकूरबस्ती स्टेशन से भी पहली बार स्पेशल ट्रेनें रवाना होंगी। शकूरबस्ती में यात्रियों की सुविधा के लिए अस्थायी होल्डिंग एरिया भी तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा अनरिजर्व टिकट लेने की प्रक्रिया को और आसान बनाने के लिए रेलवे कई नई सुविधाएं ला रहा है।

दिल्ली के स्टेशनों पर मिलेंगी ये खास व्यवस्थाएं : रेलवे ने यात्रियों की सहूलियत के लिए कई अनोखे कदम उठाए हैं। अब टिकट लेना और भी आसान होगा, क्योंकि मोबाइल यूटीएस (अनरिजर्व टिकटिंग सिस्टम) की सुविधा शुरू की गई है। यह एक तरह का चलता-फिरता टिकट काउंटर है, जो आपको लंबी लाइनों से बचाएगा। नई दिल्ली स्टेशन पर 7000 लोगों की क्षमता वाला एक स्थायी होल्डिंग एरिया बनाया गया है, जिसमें तीन अलग-अलग जोन हैं। टिकट लेने से पहले का जोन, टिकट लेने के बाद का जोन और टिकटिंग एरिया।

टिकट वेंडिंग मशीनों का इंतजाम : नई दिल्ली स्टेशन के

अजमेरी गेट की ओर 21 यूटीएस काउंटर, 20 अतिरिक्त टिकट काउंटर और एक पूछताछ काउंटर तैयार किया गया है। पहाड़गंज की तरफ 7 टिकट काउंटर और 25 ऑटोमेटिक टिकट वेंडिंग मशीनें लगाई गई हैं। आनंद विहार स्टेशन पर भी दो अस्थायी होल्डिंग एरिया बनकर तैयार हैं, जिनमें एक 5000 वर्ग फीट और दूसरा 8500 वर्ग फीट का है। ये सुविधाएं सुनिश्चित करेंगी कि यात्रियों को इंतजार कम करना पड़े। रेलवे ने इस बार मोबाइल अनरिजर्व टिकटिंग सिस्टम शुरू किया है, जो एक चलता-फिरता टिकट काउंटर है। इसके जरिए जरूरतमंद यात्रियों को फटाफट टिकट मिलेगा। नई दिल्ली और आनंद विहार स्टेशनों पर 40 खास स्टाफ तैनात किए जाएंगे, जो इस सिस्टम के जरिए टिकट काटेंगे। साथ ही 22 सहायक कर्मचारी भी होंगे, जो टिकट वेंडिंग मशीन से टिकट लेने में यात्रियों की मदद करेंगे।

सुशांत सिंह राजपूत के जीजा ओपी सिंह बने हरियाणा के डीजीपी, शत्रुजीत कपूर की छुट्टी के बाद मिला चार्ज

चंडीगढ़, एजेंसी। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन सिंह की खुदकुशी मामले में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को रातोंरात छुट्टी पर भेज दिया गया है। वहीं उनकी जगह पर एडीजीपी रैंक के सीनियर आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। ओपी सिंह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। वह हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन और एफएसएल मधुबन के निदेशक का कार्यभार संभाल रहे थे। अब उन्हें अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

पुलिस ने इस मामले में डीजीपी समेत उन सभी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है जिनके नाम सुसाइड नोट में लिखे थे। गौरतलब है कि वाई.पूरन कुमार 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और रोहतक के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) के पद पर तैनात थे। उन्होंने 7 अक्टूबर को कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। उनके आठ पन्नों के सुसाइड नोट में 13 वरिष्ठ अधिकारियों के नाम शामिल थे, जिन पर उन्होंने उत्पीड़न और करियर को नुकसान

पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए थे। इनमें सबसे अधिक आरोप डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी पर थे।

इस मामले में पूर्व रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारनिया को शनिवार को पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह सुरिंदर सिंह भोरिया को रोहतक का नया एसपी नियुक्त किया गया है। फिलहाल बिजारनिया को कोई नया पद नहीं दिया गया है। डीजीपी शत्रुजीत कपूर को जांच पूरी होने तक छुट्टी पर भेजा गया है। इसके अलावा, चंडीगढ़ पुलिस ने वाई. पूरन कुमार की पत्नी से उनका लैपटॉप भी जांच के लिए मांगा है।

25 साल पहले खुद के लगाए पेड़ को काटे जाने पर फूट-फूटकर रोई 90 साल की महिला

खैरागढ़, एजेंसी। छत्तीसगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें 25 साल पहले खुद के हाथों लगाए गए पीपल के पेड़ को काटे जाने पर 90 साल की एक महिला फूट-फूटकर रो रही है। वीडियो वायरल होने के बाद इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। छत्तीसगढ़ में एक बुजुर्ग महिला द्वारा 25 साल पहले लगाए गए पीपल के पेड़ को अवैध रूप से काटे जाने पर विलाप करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सर्रागोंडी गांव के बाहरी इलाके में सड़क किनारे सरकारी जमीन पर खड़े इस पेड़ को 5 अक्टूबर की रात को काटा गया था। इस वीडियो में 90 साल की महिला देवला बाई पटेल

पेड़ के कटे हुए टुकड़े पर सिर रखकर विलाप करती नजर आ रही हैं। इसे सोशल मीडिया पर कई लोगों ने शेयर किया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने हैशटैग 'एक पेड़ मां के नाम' के साथ वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि यह बहुत ही हृदय विदारक दृश्य है। एक बुजुर्ग महिला उस पीपल के पेड़ को काट दिए जाने पर फूट-फूट कर रो रही है जिसे उसने 20 साल पहले लगाया था। मुझे बताया गया है कि यह छत्तीसगढ़ राज्य में हुआ है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण प्रमोद पटेल द्वारा 6 अक्टूबर को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर इमरान मेमन और प्रकाश कोसरे को इसके लिए गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि मेमन ने हाल ही में बगल की कृषि भूमि खरीदी थी। वह सड़क तक पहुंच बनाने के लिए पेड़ को हटाना चाहता था। 5 अक्टूबर को उसने पेड़ काटने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों के कड़े विरोध के कारण ऐसा नहीं कर सका। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर रात में पेड़ काट दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने जिस कटर मशीन का इस्तेमाल किया था, उसे पास की नदी में फेंक दिया। उसे निकालने के लिए गोताखोरों को लगाया गया है।

आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) और 238 (अपराध के सबूतों को मिटाना या अपराधी को छुपाने के लिए झूठी जानकारी देना) के अलावा सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

आरएसएस के ऊपर बैन लगाने की मांग पर सिद्धारमैया का ऐक्शन, मुख्य सचिव को निर्देश जारी

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगाने की चर्चा गरमाई हुई है। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव को सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने एक दिन पहले सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा थी। इसमें पूरे कर्नाटक में सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में ऋस्की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग रखी गई। खरगे ने दावा किया था कि ऐसी गतिविधियां भारत की एकता और संविधान के खिलाफ हैं।

सिद्धारमैया ने एक सवाल के जवाब में सोमवार को कहा, प्रियांक खरगे ने पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि आरएसएस सरकारी परिसरों का इस्तेमाल कर रहा है और उसे रोकने के लिए वही किया जाए, जो तमिलनाडु सरकार ने किया है। मैंने मुख्य सचिव से तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने के लिए कहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक ने 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कुछ आरोप लगाए थे। इसमें कहा गया कि आरएसएस सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं।

प्रियांक खरगे ने आरएसएस पर लगाए गंभीर आरोप : प्रियांक खरगे ने यह भी कहा कि आरएसएस दुनिया का सबसे गुप्त संगठन है, जिसने खुद को रजिस्टर्ड नहीं कराया है, लेकिन फिर भी उसे सैकड़ों करोड़ रुपये का धन मिलता है। मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह दुनिया का सबसे गोपनीय संगठन है। इतनी गोपनीयता क्यों। ये लोग कौन हैं। आरएसएस प्रमुख के संबोधन का सीधा प्रसारण क्यों होना चाहिए? उनका योगदान क्या है? वे मुझे अपने 100 साल के इतिहास में अपने दस योगदान बताएं।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा आरएसएस की कठपुतली है। मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे व राज्य के मंत्री प्रियांक खरगे ने कहा, 'अगर आप आरएसएस को हटा दें, तो भाजपा नहीं रहेगी। आरएसएस के बिना यह शून्य है। धर्म के बिना आरएसएस शून्य है।'

हरियाणा रोडवेज की बस में सवारी अपने साथ ले जा सकेंगी पालतू कुत्ते

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रोडवेज की बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर है। अब यात्री टिकट लेकर अपने पालतू कुत्ते के साथ भी बसों में यात्रा कर सकेंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ जरूरी नियमों का पालन करना होगा। परिवहन विभाग ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं।

नियमों के अनुसार, अपने पालतू कुत्ते के साथ सफर करने वाले यात्री को कुत्ते के लिए दो वयस्कों के बराबर टिकट लेनी होगी। यह शुल्क कुत्ते के सीट ऑक्यूपाई करने या अन्य यात्रियों को असुविधा न होने देने के लिए निर्धारित किया गया है। रोडवेज की बसों में केवल छोटे पालतू कुत्तों को ही यात्री अपने साथ यात्रा करवा सकते हैं। बड़े पालतू कुत्तों को बसों में सफर करने की मनाही है, ताकि यात्रियों के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो।

यात्रियों को मेडिकल दस्तावेज भी साथ में रखना होगा : यात्रा के दौरान यात्री को कुत्ते से संबंधित कुछ अनिवार्य दस्तावेज भी अपने साथ रखने होंगे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कुत्ते के मुंह पर मास्क (मजल) का लगा होना। इसके अलावा, यात्री को कुत्ते का एंटी-रेबीज टीकाकरण का प्रमाणपत्र सहित सभी मेडिकल कागज भी साथ रखने होंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि कुत्ता स्वस्थ है और सह-यात्रियों के लिए कोई खतरा नहीं है। रोडवेज ने चेतावनी दी है कि यदि कोई यात्री बिना नियमों का पालन किए पालतू कुत्ते के साथ सफर करता पाया जाता है, तो कंडक्टर के साथ यात्री पर भी जुर्माना लगाया जाएगा, जो टिकट का दस गुना होगा। ये नियम यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं। यात्री अब नियमों के अनुसार ही रोडवेज की बसों में पालतू कुत्तों को अपने साथ ले जा सकते हैं। इससे कुत्ता पालने वाले लोगों को अब आवागमन करने में न सिर्फ सहूलियत होगी बल्कि सफर भी सुगम होगा। ट्रेन में पहले से ही है व्यवस्था रेलवे में भी पालतू कुत्तों को साथ में सफर करवाने के लिए पहले से ही अलग नियम लागू हैं, जिसके तहत उन्हें लगेज के रूप में या विशेष केबिन में ले जाया जाता है। पालतू कुत्तों के साथ यात्रा के लिए स्पष्ट नियम भी तय हैं। यात्री अपने पालतू कुत्ते को प्रथम श्रेणी एसी या आरक्षित कंपार्टमेंट में ले जा सकते हैं। इसके लिए पहले से आवेदन और शुल्क जमा करना जरूरी है।

कबूतरों के चलते हुआ गजब खेला, बन गई पहली राजनीतिक पार्टी!

मुंबई, एजेंसी। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने बीएमसी के दादर उपनगर में कबूतरखाना और मुंबई के अन्य कबूतर-खिलाने की जगहों को बंद करने के खिलाफ हथियार उठाने की धमकी दी थी। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि उनका इरादा शांतिपूर्ण तरीके को लेकर था। अब जैन समुदाय ने अपने राजनीतिक दल 'शांतिदूत जनकल्याण पार्टी' की घोषणा की है, जिसका चिह्न कबूतर रखा गया है। यह कदम लंबे समय से टल रहे बीएमसी चुनावों से पहले उठाया गया है। ऐसे में मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है।

बीएमसी भारत की सबसे धनी नागरिक संस्था है। यहां 2017 के बाद से चुनाव नहीं कराए गए हैं। मुंबई में जैन समुदाय की अच्छी-खासी संख्या है। यह नई पार्टी कई वार्डों में मतों को प्रभावित कर सकती है या कम से कम वोटों का बंटवारा कर सकती है। बीएमसी फिलहाल किसी भी निर्वाचित राजनीतिक दल के नियंत्रण में नहीं है। इसे राज्य की ओर से नियुक्त प्रशासक ऑपरेट कर रहे हैं। मालूम हो कि जैन भारत की आबादी का केवल 0.4% हैं। वे अपनी अहिंसा और सभी जीवों के प्रति करुणा के लिए जाने जाते हैं।

कबूतरों को खाना खिलाने पर पाबंदी से भड़के : जुलाई में जब बीएमसी ने कबूतरों को खाना खिलाने पर प्रतिबंध की घोषणा की, तो समुदाय ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया। दादर के कबूतरखाने में जैन समुदाय की ओर से हजारों कबूतरों को रोजाना खाना खिलाया जाता था, उसे पक्षियों को बैठने

से रोकने के लिए ग्रे तिरपाल से ढक दिया गया। इसके बाद भी, समुदाय के सदस्यों ने उस स्थान के आसपास कबूतरों को खाना खिलाना जारी रखा। कबूतर स्वभाव से मजबूत पक्षी माने जाते हैं। ये आसपास की छतों पर चले जाते हैं। उनके मल से त्वचा रोग फैलने का खतरा रहता है। इनसे घरों, कारों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी की शिकायत की जाने लगी।

इस बीच, जैन समुदाय ने कबूतरखाना के आसपास की सड़कों पर कबूतरों को खाना खिलाना जारी रखा। यह मुद्दा जल्द ही राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गया। मुंबई में श्वेतांबर और दिगंबर जैन दोनों रहते हैं। कबूतरों के मुद्दे पर दोनों संप्रदायों में एकता देखी गई। इस तरह शांतिदूत जनकल्याण पार्टी अस्तित्व में आई। यह न केवल भारत की पहला जैन राजनीतिक दल है, बल्कि संभवतः पहली ऐसी पार्टी है जिसका गठन पशु-पक्षी के अधिकारों के मुद्दे पर हुआ है। दक्षिण मुंबई से लेकर उत्तरी उपनगरों तक फैले बड़े जैन समुदाय को देखते हुए बीएमसी इलेक्शन में समीकरण बदल सकता है।

दीपों का पर्व, आशा का आलोक : बनेगा दुर्लभ शुभ संयोग, शनि देंगे धन-राजयोग

दिन	तिथि	पर्व
शनिवार	18 अक्तूबर	धनतेरस
रविवार	19 अक्तूबर	रूप चौदस (नरक चतुर्दशी)
सोमवार	20 अक्तूबर	दीपावली (महालक्ष्मी पूजन)
मंगलवार	21 अक्तूबर	अमावस्या स्नान-दान
बुधवार	22 अक्तूबर	गोवर्धन पूजा
गुरुवार	23 अक्तूबर	भाई दूज

सुरेश गांधी

भारत में दीपावली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि संस्कृति की सबसे उज्ज्वल अभिव्यक्ति है. जहां मिट्टी का दीपक केवल तेल और बत्ती से नहीं, बल्कि आस्था और आशा से जलता है। यह वही क्षण है जब पूरे देश में एक साथ हृदयों की लौ जल उठती है, अयोध्या से काशी तक, मथुरा से मदुरै तक, हर घर में दीपक बोलता है, "तमसो मा ज्योतिर्गमय।" इस वर्ष यह महापर्व सोमवार, 20 अक्तूबर को मनाया जाएगा। पंचांगों के अनुसार, आश्विन मास की अमावस्या तिथि 20 अक्तूबर दोपहर 3:44 बजे से प्रारंभ होकर 21 अक्तूबर शाम 5:55 बजे तक रहेगी। चूंकि प्रदोष और निशीथ काल 20 अक्तूबर की रात को ही पड़ रहा है, इसलिए शास्त्र सम्मत पूजन उसी दिन होगा। खास यह है कि यह दीपावली केवल एक दिन नहीं, बल्कि उत्सवों की छठ है, जहाँ हर दिन का अपना अर्थ और अध्यात्म है।

दीपक केवल मिट्टी का पात्र नहीं, यह मनुष्य के भीतर बसे अंधकार पर विजय का प्रतीक है। शास्त्रों में कहा गया है कि दीप जलाने से अज्ञान रूपी तमस का नाश होता है।

दीपावली का अर्थ केवल दीयों की श्रृंखला नहीं, बल्कि संसार रूपी अंधकार से आत्मा रूपी ज्योति की यात्रा है। जब भगवान श्रीराम चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे, तब नगरवासियों ने दीप जलाकर कहा था, "हमारे भीतर का रावण मरे, तभी सच्ची दीपावली होगी।" आज भी वही संदेश जीवित है, जब लोभ की जगह संतोष, द्वेष की जगह दया, और असत्य की जगह सत्य का प्रकाश जगे, वही असली दीपावली है। मतलब साफ है दीपावली का सबसे बड़ा संदेश यही है, "अंधकार चाहे कितना भी गहरा क्यों न हो, एक दीप पर्याप्त है।" हमारे भीतर का दीप हमारी चेतना है, जो सत्य, ज्ञान और प्रेम का प्रकाश फैलाती है। जब यह दीप प्रज्ज्वलित होता है, तब न कोई शत्रु रह जाता है, न भय, न ईर्ष्याकेवल आलोक। अतः इस दीपावली केवल घर नहीं, मन को भी सजाइए। अंदर की उदासी, शिकायत और अवसाद को बाहर फेंक दीजिए। जलाइए, उसके साथ अपनी आशा भी जगाइए।

यह संपूर्ण सप्ताह सुख, स्वास्थ्य और संपन्नता का प्रतीक बनेगा। धनतेरस पर जहां धनवन्तरि देव से आरोग्य की कामना की जाती है, वहीं गोवर्धन पूजा और भाई दूज तक यह पर्व संबंधों के पुनर्निर्माण का अवसर देता है। इस वर्ष दीपावली पर ग्रहों का अद्भुत संयोग बन रहा है। शनि देव मीन राशि में वक्री अवस्था में रहकर शुभ दृष्टि डालेंगे, जिससे "धन-राजयोग" का निर्माण हो रहा है।

यह संयोग व्यापार, निवेश और उद्योग के क्षेत्र में वृद्धि का संकेत देता है। वृषभ राशि, निवेश में लाभ और धन-संग्रह का समय। मिथुन राशि, संघर्षों से राहत और अप्रत्याशित लाभ की संभावना। मकर राशि, रुका हुआ धन प्राप्त होगा, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। इसके साथ ही सूर्य, बुध और मंगल की युति से "बुधादित्य योग" बनेगा, जो बुद्धि, नेतृत्व और सफलता का प्रतीक है। इस योग में किया गया महालक्ष्मी पूजन विशेष फलदायी माना गया है।

पूजन के शुभ मुहूर्त : प्रदोष में स्थिर लक्ष्मी ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, स्थिर लग्न में पूजन से लक्ष्मी की स्थिरता प्राप्त होती है। इस वर्ष के शुभ लग्न इस प्रकार हैं, कुंभ लग्न : दोपहर 2:09 से 3:40 बजे तक, वृषभ लग्न : शाम 6:51 से 8:48 बजे तक, सिंह लग्न : रात्रि 1:19 से 3:33 बजे तक, वृषभ और सिंह लग्न में पूजन सर्वश्रेष्ठ माना गया है। इन कालों में दीप, पुष्प, शंख, कमल और धूप से महालक्ष्मी का आह्वान करना शुभ है।

प्रदोष काल में करें महालक्ष्मी पूजन, वृषभ और सिंह लग्न रहेगा सर्वाधिक शुभ, धर्मशास्त्रों के अनुसार, प्रदोष व्यापिनी अमावस्या पर ही दीपावली का पर्व मनाया जाता है, क्योंकि इसी कालखंड में मां लक्ष्मी का आगमन होता है। अगले दिन 21 अक्तूबर को कार्तिक अमावस्या का दान-स्नान होगा।

श्रीयंत्र और महालक्ष्मी पूजन विधि

दीपावली का पूजन केवल अनुष्ठान नहीं, बल्कि ऊर्जा का संचार है। प्रत्येक विधि में विज्ञान और प्रतीकवाद दोनों समाहित हैं। पूजन स्थल को गंगाजल से शुद्ध कर लाल वस्त्र बिछाएं। गणेश-लक्ष्मी, कुबेर और श्री यंत्र की स्थापना करें। कलश पर स्वास्तिक बनाकर नारियल और आमपत्र स्थापित करें। धन, मिठाई, चावल और कमलगट्टा का नैवेद्य लगाएं। पहले गणेश पूजन, फिर लक्ष्मी, कुबेर, सरस्वती, इंद्र और महाकाली की आराधना करें। बहीखाते, तिजोरी, व्यापारिक रजिस्टर आदि की पूजा करें। श्रीयंत्र का केसरयुक्त गो-दुग्ध से अभिषेक करते समय यह श्रीविद्या मंत्र उच्चारित करें, "ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं श्री सिद्ध लक्ष्म्यै नमः।" कहा गया है कि इस दिन लक्ष्मी पृथ्वी पर भ्रमण करती हैं, जहां स्वच्छता, सुवास और श्रद्धा होती है, वहां ठहर जाती हैं।

अर्थव्यवस्था और रोजगार का पर्व

दीपावली केवल धार्मिक नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी भारत का सबसे बड़ा पर्व है। देश में 6 लाख करोड़ से अधिक का व्यापार इस अवसर पर होता है। मिट्टी के दीयों से लेकर इलेक्ट्रॉनिक सजावट, वस्त्र, स्वर्णाभूषण, फर्नीचर और मिठाई उद्योग तक, हर क्षेत्र में नई ऊर्जा भर जाती है। मोमबत्ती, रंगोली, खिलौने, वस्त्र, बर्तन, मिठाई, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, हर बाजार में दीपावली उत्सव अर्थव्यवस्था को गति देता है। सिर्फ शहरी नहीं, ग्रामीण भारत में भी यह लघु उद्योगों का पुनर्जागरण बनता है।

इस बार के तीन शुभ योग

1. शनि का धन राजयोग : आर्थिक स्थिरता और सफलता।

2. बुधादित्य योग : विवेक और नेतृत्व का संयोग।

3. लक्ष्मी पंचग्रह योग : समृद्धि और शुभता का प्रतीक।

दीपावली पूजन के पांच सरल चरण

1. स्थान की शुद्धि : गंगाजल से छिड़काव।

2. दीप प्रज्वलन : पूर्व या उत्तर दिशा में।

3. गणेश-लक्ष्मी पूजन : शंख, पुष्प, धूप से।

4. तिजोरी व बहीखाता पूजन।

5. परिवार सहित आरती और प्रसाद वितरण।

वास्तु टिप्स से पाएं लक्ष्मी कृपा

घर के मुख्य द्वार पर तोरण व बंधनवार लगाएं।

तुलसी के पास दीपक जलाना शुभ है।

शुक्रवार और दीपावली की रात दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर लक्ष्मी को अर्पित करें।

घर की उत्तर दिशा में हरा पौधा रखें, यह कुबेर की दिशा है।

दीप बनो, दीप जलाओ

हर वर्ष दीपावली हमें स्मरण कराती है कि, संघर्षों के बाद भी प्रकाश संभव है। राम लौटते हैं, रावण मिटता है, और अयोध्या फिर जगमगाती है।

इस वर्ष का यह दुर्लभ शनि धन-राजयोग, हर भारतीय के जीवन में उन्नति और उल्लास का दीप जलाए, इसी मंगलकामना के साथ, "दीपावली केवल पर्व नहीं, यह आत्मा की यात्रा है, जहां हम बाहर के नहीं, भीतर के अंधकार को जलाते हैं।" भगवान राम के अयोध्या लौटने की याद में मनाया जाने वाला यह पर्व आज भी हमें सिखाता है कि असत्य पर सत्य की, अज्ञान पर ज्ञान की, और लोभ पर संतोष की विजय ही वास्तविक दीपावली है।

गोड्डा के ये हैं 3 फेमस काली मंदिर

झारखंड में गोड्डा के पांडू बथान स्थित काली मंदिर जहां काली पूजा में जिले की सबसे बड़ी तांत्रिक पूजा होती है। इस उपलक्ष्य में बिहार-झारखंड से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की टोली पहुंचती है। जहां तीन दिनों का भव्य मेला भी लगता है। इसके साथ इस मंदिर की बनावट और यहां का वातावरण भी लोगों को खूब आकर्षित करता है।

गोड्डा के पोड़ैयाहाट प्रखंड के बोहरा गांव का काली मंदिर की प्रसिद्ध है। जहां काली मेला में यहां पूरे संथाल परगना का सबसे बड़ा मेला लगता है। पूजा के उपलक्ष बढ़िया है, विधायक प्रदीप यादव के द्वारा भक्ति जागरण का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें हर साल बॉलीवुड के कई अलग-अलग सितारे भी शिरकत करते है।

गोड्डा के पथरगामा प्रखंड के पथरगामा चौक स्थित काली मंदिर तकरीबन 100 साल पुराना है। जहां तांत्रिक पद्धति से पूजा अर्चना होती है। इस पूजा में विशेषकर आदिवासियों की अधिक भीड़ देखी जाती है। जहां जिले के इस मंदिर में पथरगामा के आस पास के तकरीबन 150 से भी अधिक गांव के लोगों की भीड़ लगती है, जिसको लेकर यहां 3 दिनों का मेला भी लगता है।

महालक्ष्मी भगवान विष्णु के पैरों के पास क्यों बैठी दिखाई देती हैं

20 अक्टूबर को दीपावली है, इस दिन देवी लक्ष्मी और भगवान विष्णु की पूजा की जाती है। महालक्ष्मी धन, वैभव और समृद्धि की देवी हैं और भगवान विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता है। ग्रंथों, चित्रों और मंदिरों में एक तस्वीर और मूर्ति अक्सर दिखाई देती है, जिसमें महालक्ष्मी भगवान विष्णु के चरणों के पास बैठी हुई हैं। लक्ष्मी-विष्णु की इस मुद्रा में जीवन प्रबंधन के महत्वपूर्ण सूत्र छिपे हैं। इन सूत्रों को अपनाने से धन से जुड़ी समस्याएं दूर हो सकती हैं।

धर्म के मार्ग पर चलना ही है सच्चा पुरुषार्थ

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, भगवान विष्णु सृष्टि के रक्षक हैं, वे कर्म और पुरुषार्थ के प्रतीक भी हैं। श्रीहरि ने अपने अवतारों से संदेश दिया है कि धर्म के मार्ग पर चलना ही सच्चा पुरुषार्थ है।

देवी लक्ष्मी का स्थान भगवान विष्णु के चरणों के पास दिखाया जाना महज एक पारंपरिक चित्रण नहीं है, बल्कि ये मुद्रा हमें संदेश देती है कि धन उसी के पास आता है जो धर्म और कर्म के मार्ग पर चलता है, जो पुरुषार्थी है। जो व्यक्ति निस्वार्थ भाव से कर्म करता है, उसके पीछे महालक्ष्मी स्वयं चलकर आती हैं।

विष्णु जी निर्मोही माने जाते हैं, उन्हें किसी चीज से मोह नहीं है। वे अपने कार्य में निष्ठा रखते हैं और सृष्टि की भलाई के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इसी तरह, मनुष्य को भी धन का दास बनने के बजाय, धन को साधन के रूप में अपनाना चाहिए। इस चित्र का ये अर्थ भी है कि धन को हमेशा चरणों में स्थान देना चाहिए, इसे हमें अपने सिर पर जगह नहीं देनी चाहिए। जब कोई व्यक्ति धन को ही सबकुछ मान लेता है, उसकी बुद्धि में धन जगह बना लेता है, तो वह घमंडी हो जाता है। अहंकारी व्यक्ति विनाश की ओर बढ़ता है। इसलिए धन को अपने दिमाग में जगह नहीं देनी चाहिए, दिमाग में सत्कर्म, विनम्रता और धर्म को जगह देनी चाहिए। जब धन को विनम्रता से स्वीकार किया जाता है, उसका उपयोग धर्म, सेवा और सत्कर्मों में किया जाता है, तब वह हमारे पास लंबे समय तक टिका रहता है।

केवल भाग्य नहीं, कर्म भी जरूरी है

ये चित्र जीवन की एक और अहम सीख देता है, कर्म करो, फल की चिंता मत करो। अगर कोई व्यक्ति केवल भाग्य के भरोसे बैठा रहेगा और कर्म नहीं करेगा, तो लक्ष्मी उसके पास नहीं आ सकती। लक्ष्मी वहां वास करती हैं, जहां श्रम, निष्ठा और धर्म के साथ कार्य किया जाता है।

भगवान विष्णु के चरणों में बैठी लक्ष्मी की यह तस्वीर केवल धार्मिक भावना का प्रतीक नहीं, बल्कि एक सीख देती है। ये हमें सिखाती है कि जब हम अपने कर्तव्यों का पालन करते हैं, निस्वार्थ सेवा करते हैं और धर्म के पथ पर चलते रहते हैं, तभी लक्ष्मी – यानी धन, वैभव और समृद्धि, हमारे जीवन में स्थायी रूप से आते हैं। इसलिए अगली बार जब आप ये तस्वीर देखें, तो केवल इसे पूजें नहीं, बल्कि इसके पीछे छिपे संदेश को समझें और अपने जीवन में उतारें, तभी जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा।

धनतेरस के दिन गलती से न खरीदें ये चीजें

धनतेरस का त्योहार हर साल धूमधाम से मनाया जाता है। ऐसे में इस बार का धनतेरस 18 अक्टूबर 2025 को मनाया जाएगा। वहीं इस दिन लोग नई चीजों की खरीदारी करते हैं और ऐसा कहा जाता है कि इस दिन नई चीजों की खरीदारी करने से घर में बरकत आती है और लक्ष्मी का सदैव आगमन होता रहता है। हालांकि, इस साल धनतेरस का दिन शनिवार का दिन पड़ रहा है। इसलिए कुछ ऐसी चीज हैं जिन्हें आप को धनतेरस के दिन नहीं खरीदना चाहिए। जबकि इन चीजों की खरीदारी करने से शनि ग्रह और शनि देव नाराज हो सकते हैं और आपके जीवन की परेशानी को बढ़ा सकती है।

खरीदे नहीं दान करें

वहीं जानकारी देते हुए पूर्णिया के पंडित मनोतपल झा बताते हैं कि धनतेरस के इस शनिवार को आपको गलती से भी सरसों का तेल नहीं खरीदना चाहिए। नहीं तो शनि ग्रह की स्थिति कुंडली में खराब हो सकती है। हालांकि, इस दिन आप सरसों का तेल दान कर सकते हैं।

धनतेरस के दिन लोहा की चीज खरीदने से आपको बचना चाहिए। कहा जाता है शनिवार के दिन लोहा की चीज या लोहे से बनी चीजों को खरीदने से शनिदेव नाराज होते हैं। साथ ही साथ इस दिन काले रंग की चीजों को खरीदने से भी बचना चाहिए। शनिवार के दिन कई चीजों की खरीदारी करना भी अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए आपको धनतेरस के दिन काले वस्त्र या फिर काले रंग की चीजों को खरीदने से बचना चाहिए।

घर न लाएं खाली बर्तन

धनतेरस यानी शनिवार के दिन आप बाजार से खाली बर्तन खरीद कर ना लाएं जैसा कि देखा जाता है कि धनतेरस के दिन लोग बड़े-बड़े बर्तन की खरीदारी करते हैं और खाली बर्तन ले आते हैं। लेकिन इस धनतेरस अगर आप कोई पात्र जैसे मटका, कलश आदि की खरीदारी करते हैं तो आपको यह खाली घर नहीं लाना चाहिए। इसमें कुछ मिष्ठान डालकर आप अपने घर ला सकते हैं। इस खाली बर्तन में आप धनिया डाकर रख सकते हैं। धनतेरस पर खाली पात्र घर लाना शुभ नहीं माना जाता है।

इस दिन चमड़े का सामान या चमड़ा का जूता नहीं खरीदना चाहिए। धनतेरस का पावन पर्व शनिवार के दिन है इसलिए इस बार चमड़े का सामान आपको धनतेरस पर खरीदने से बचना चाहिए। चमड़ा भी शनि ग्रह से संबंधित है ऐसे में अगर आप चमड़े की चीजों को इस दिन खरीदते हैं तो शनि देव के क्रोध का सामना आपको करना पड़ सकता है।

धनतेरस पर साबुत धनिया क्यों लाते हैं

धनतेरस बस कुछ ही दिनों में आने वाला है। धनतेरस दिवाली का पहला दिन होता है। इसी दिन से 5 दिन की दिवाली की शुरूआत होती है। धनतेरस पर लोग सोने, चांदी से लेकर और भी चीजें खरीदते हैं। जैसे- झाड़ू, नमक, साबुत धनिया, हल्दी, खीलें, गट्टे, और भी न जानें क्या-क्या। लेकिन क्या आप जानते हैं दिवाली पर साबुत धनिया (धनिया बीज) लाने की परंपरा का धार्मिक और वैज्ञानिक दोनों दृष्टिकोण से विशेष महत्व है। तो देर किस बात की चलिए जानते हैं।

धार्मिक महत्वः

समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीकः धनिया बीज को समृद्धि, स्वास्थ्य, और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। जैसे ये बीज भोजन में स्वाद और सुगंध जोड़ते हैं, वैसे ही इन्हें जीवन में खुशहाली और मिठास लाने वाला माना जाता है।

माता लक्ष्मी का स्वागतः

धनतेरस पर देवी लक्ष्मी और भगवान कुबेर की पूजा होती है। धनिया बीज को घर में लाना धन और स्वास्थ्य की देवी का स्वागत करने का एक प्रतीकात्मक तरीका है।

नववर्ष की शुरुआत का संकेतः

कुछ परंपराओं में धनिया बीज को अगले वर्ष की खेती और समृद्धि का संकेत माना जाता है। इन्हें घर में लाकर पूजा के बाद बोया भी जाता है।

वैज्ञानिक दृष्टिकोणः

स्वास्थ्य लाभः धनिया बीज में एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल, और पाचन सुधारक गुण होते हैं। इन्हें घर में लाने और उपयोग करने से स्वास्थ्य लाभ होता है।

प्राकृतिक संरक्षणः धनिया बीज को सुखाकर रखने से यह कीटों को दूर रखने में मदद करता है। यह एक प्रकार का प्राकृतिक कीट-निवारक भी है।

धनतेरस पर अन्य वस्तुएं जैसे झाड़ू, हल्दी, नमक भी क्यों खरीदी जाती हैं?

झाड़ूः नकारात्मकता को हटाने और साफ-सफाई का प्रतीक।

हल्दीः शुभता और स्वास्थ्य का प्रतीक।

नमकः जीवन में संतुलन और स्वाद का प्रतीक।

सभी वस्तुएं मिलकर एक शुभ और सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद करती हैं, जिससे देवी लक्ष्मी का वास हो सके।

आ रही है ऋतिक रोशन की नई वेब सीरीज, सबा आजाद भी आएंगी नजर

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन के फैंस के लिए खुशखबरी है। एक ओर जहां वह कृष 4 में डायरेक्शन की कमान संभालने की तैयारी कर रहे हैं, वहीं जल्द ही ओटीटी पर भी डेब्यू करने वाले हैं। हालांकि, उनकी यह पारी एक्टर के तौर पर नहीं होगी। ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो ने एक नई ओरिजिनल ड्रामा सीरीज स्टॉर्म की घोषणा की है। इस प्रोजेक्ट के साथ ऋतिक रोशन और उनकी कंपनी फिल्मक्राफ्ट प्रोडक्शंस का हिस्सा ने हाथ मिलाया है। हालांकि, सीरीज का नाम अभी तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे तत्काल स्टॉर्म नाम दिया गया है। ऋतिक रोशन और ईशान रोशन इस सीरीज को प्रोड्यूस कर रहे हैं।

ऋतिक रोशन बोले- सीरीज की कहानी दिलचस्प और सच्चाई से भरी

बतौर प्रोड्यूसर, अपनी ओटीटी पारी के लिए ऋतिक रोशन ने कहा, 'स्टॉर्म, ने मुझे ओटीटी की दुनिया में बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने का एक शानदार मौका दिया। जिस चीज ने मुझे इस सीरीज की तरफ खींचा, वह है अजीतपाल द्वारा बनाई गई दिलचस्प और सच्चाई से भरी दुनिया है। कहानी गहरी, दमदार और यादगार किरदारों से भरी हुई है। मैं इसको लेकर बहुत एक्साइटेड हूं।

दमदार महिला किरदारों की कहानी होगी स्टॉर्म

प्राइम वीडियो के वाइस प्रेसिडेंट, गौरव गांधी कहते हैं, प्राइम वीडियो में हमारा मकसद हमेशा अच्छे कलाकारों और क्रिएटिव लोगों को मौका देना है, चाहे वो कैमरे के आगे हों या पीछे। हम ऐसी कहानियां लाना चाहते हैं जो दुनिया भर के लोगों को पसंद आएं। ऋतिक रोशन भारतीय फिल्मों के सबसे टैलेंटेड स्टार्स में से एक हैं। उन्होंने आगे कहा, 'स्टॉर्म, सिर्फ एक सीरीज नहीं है, बल्कि एक नए और रोमांचक सफर की शुरुआत है, जिससे आगे और भी बेहतरीन प्रोजेक्ट्स आएंगे। यह दमदार महिला किरदारों की दिलचस्प कहानी है। हमें यकीन है कि दुनियाभर के दर्शकों को यह पसंद आएगी।

मेल एक्टर्स को लेकर कभी हेडलाइन नहीं बनी

अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं

दीपिका पादुकोण जब से संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म स्पिरिट से बाहर हुईं इंडस्ट्री में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग को लेकर अलग बहस छिड़ गई। कथित तौर पर दीपिका ने काम के घंटों में असहमति के चलते ही फिल्म छोड़ी थी। इंडस्ट्री में तमाम लोग दीपिका के सपोर्ट में आए, तो कुछ ने विपरीत टिप्पणी की। अब पहली बार खुद दीपिका पादुकोण ने इस मसले पर चुप्पी तोड़ी है।

यह मेरा तरीका नहीं

दीपिका पादुकोण ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में जोर-शोर से चल रही इस बहस पर चुप्पी तोड़ी। उन्होंने कहा, मैंने ये कई लेवल्स पर किया है, मेरे लिए ये नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि पेमेंट जैसी चीजों के मामले में भी मुझे जो कुछ भी मिला, उससे निपटना पड़ा। मुझे नहीं पता इसे क्या कहूं, लेकिन मैं हमेशा अपनी लड़ाई चुपचाप लड़ती हूं और किसी अजीब वजह से कभी-कभी ये सार्वजनिक हो जाती हैं। यह मेरा तरीका नहीं है। न ही मैं ऐसे पली-बढ़ी हूं। लेकिन हां, अपने लिए बोलना और अपनी लड़ाई चुपचाप व गरिमा के साथ करना ही मेरा तरीका है।

दीपिका पादुकोण ने पुरुष कलाकारों का भी उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, एक महिला होने के नाते अगर यह दबावपूर्ण या कुछ और लगता है, तो ऐसा ही हो। मगर, इसमें कोई सीक्रेट नहीं कि कई सुपरस्टार्स, मेल सुपरस्टार्स इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में आठ घंटे काम करते आए हैं। वर्षों से वे ऐसा कर रहे हैं। इसकी कभी हेडलाइन नहीं बनी हैं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मैं नाम नहीं लेना चाहती, जिससे कि यह बड़ा मुद्दा बने। मगर, यह बात सब जानते हैं कि कई मेल एक्टर्स दिन में आठ घंटे काम करते हैं। कुछ सोमवार से शुक्रवार तक आठ घंटे काम करते हैं और वीकएंड में काम नहीं करते हैं।

दीपिका के फाउंडेशन को हुए 10 वर्ष

दीपिका पादुकोण वर्ल्ड मेंटल हेल्थ डे के मौके पर मध्य प्रदेश गई थीं। वहां उन्होंने अपने फाउंडेशन लिव लव लाफ के 10 साल पूरे होने को सेलिब्रेट किया। एक्ट्रेस का यह फाउंडेशन देशभर में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता फैलाने में अहम भूमिका निभा रहा है। दीपिका के वर्क फ्रंट की बात करें तो दीपिका शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में नजर आएंगी।

स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी से बाहर हुई दीपिका

दीपिका पादुकोण ने फिल्म स्पिरिट और कल्कि 2898 एडी में आठ घंटे की शिफ्ट टाइमिंग में काम करने की शर्त रखी थी। बिटिया के जन्म के बाद उन्होंने मेकर्स के सामने यह मांग रखी, जिसे अस्वीकार कर दिया गया और दीपिका ने दोनों फिल्में छोड़ दीं।

अब हालिया इंटरव्यू में दीपिका ने विस्तार से इस पर बात की है। उन्होंने वर्किंग टाइमिंग को लेकर नए सिरे से छिड़ी बहस पर रिएक्शन दिया। उन्होंने बहुत सलीके से कहा कि वे अपनी लड़ाईयां खुद लड़ती हैं। इसके अलावा उन्होंने कहा इंडस्ट्री में हो रही उन बातों का भी जिक्र किया, जहां बराबरी, इंसाफ और सम्मान की चर्चा होती है।

60 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में शिल्पा शेट्टी की सफाई

मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा के खिलाफ दर्ज 60 करोड़ रुपए की कथित धोखाधड़ी के मामले में जांच तेज कर दी है। इसी कड़ी में पिछले सप्ताह शिल्पा शेट्टी का बयान दर्ज किया गया। जांच एजेंसी के अनुसार, शिल्पा शेट्टी ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने बेस्ट डील टीवी से 4 करोड़ रुपए लिए, लेकिन यह रकम किसी निवेश या कारोबारी सौदे की नहीं थी, बल्कि उनकी सेलिब्रिटी फीस थी। शिल्पा शेट्टी ने जांचकर्ताओं से कहा कि मैं बेस्ट डील टीवी की डायरेक्टर जरूर थी, लेकिन जिन 4 करोड़ रुपए की बात हो रही है, वो मैंने कंपनी के प्रचार और विज्ञापन के लिए बतौर सेलिब्रिटी लिए थे। मैंने उस प्लेटफॉर्म पर एक विज्ञापन अभियान में हिस्सा लिया था, जिसके एवज में मुझे भुगतान किया गया। शिल्पा शेट्टी ने कंपनी से जनवरी 2016 में अपने डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया था। हालांकि, जिस कंपनी में वे डायरेक्टर थीं, उसी से पैसे लेने का मामला अब जांच के दायरे में है। यह सही है या गलत, यह अभी सब्जेक्ट टू इंटरप्रिटेशन है। अधिकारी ने आगे कहा कि जांच के दौरान कंपनी से जुड़े दस्तावेजों की पड़ताल में एक और अहम जानकारी सामने आई है। शुरुआती चरण में इस कंपनी में बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार भी इक्विटी होल्डर रह चुके हैं। हालांकि, अधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया कि इस मामले में अक्षय कुमार का कोई प्रत्यक्ष संबंध नहीं पाया गया है। अक्षय कुमार ने कभी भी कंपनी की किसी बोर्ड मीटिंग में हिस्सा नहीं लिया और न ही वे कंपनी के रोजमर्रा के कार्यों से जुड़े थे।

बता दें कि शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा पर व्यवसायी दीपक कोठारी ने धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया था। कोठारी का दावा है कि दंपति ने मिलकर उनका पैसा व्यवसाय में विस्तार करने के लिए कर्ज के तौर पर लिया था, लेकिन टैक्स को लेकर दोनों ने इसे निवेश के तौर पर दिखाने के लिए कहा। कोठारी ने शिकायत में यह भी कहा कि शिल्पा ने उनसे वादा किया था कि वह ब्याज की रकम भी टाइम पर लौटाएंगी, लेकिन पैसे वापस करने के समय शिल्पा ने कंपनी के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया। एक्ट्रेस ने व्यवसाय में विस्तार के नाम पर पैसे लिए, लेकिन अपने निजी चीजों में खर्च कर दिए।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से शादी करेंगी तृषा कृष्णन!

तृषा कृष्णन उन अभिनेत्रियों में शुमार हैं, जो अपनी निजी जिंदगी को लेकर अक्सर चर्चा में रहती हैं। अफवाहें उड़ रही थीं कि वो अभिनेता थलापति विजय के साथ रिश्ते में हैं। हालांकि अब एक खबर लोगों को हैरान कर रही हैं, जिसमें कहा जा रहा है कि वो एक व्यवसायी से शादी करने वाली हैं।

चंडीगढ़ के व्यवसायी से करने वाली हैं शादी!

रिपोर्ट के अनुसार, तृषा कृष्णन के माता-पिता चंडीगढ़ के एक व्यवसायी के साथ उनकी नई शादी के लिए राजी हो गए हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। लेकिन इस खबर से चर्चाओं का बाजार गरम हो गया है और कहा जा रहा है कि दोनों परिवार कथित तौर पर कई साल से एक-दूसरे को जानते हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने शादी के बारे में अपने विचार साझा किए। उन्होंने ईमानदारी से कहा कि अगर उन्हें सही व्यक्ति मिले तो वह शादी करने को तैयार हैं। हालांकि उन्हें लगता है कि अभी सही समय नहीं आया है। जहां तक उनके माता-पिता की बात है, तो उन्होंने अभी तक चुप्पी साध रखी है, उन्होंने अभी तक न तो इन अफवाहों की पुष्टि की है और न ही खंडन किया है।

तृषा कृष्णन का वर्कफ्रंट

तृषा कृष्णन जल्द ही फिल्म 'विश्वंभरा'में नजर आएंगी। इस फिल्म में चिरंजीवी मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म 'विश्वंभरा' की कहानी रहस्य, रोमांच से भरी है। तृषा और चिरंजीवी के अलावा फिल्म में आशिका रंगनाथ और कुणाल कपूर भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। इस फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक एमएम कीरवानी ने तैयार किया है।

फिर मोहब्बत और परिवार के बीच फंसेंगे अजय देवगन, फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट आई सामने

अजय देवगन की अपकमिंग फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' जल्द ही रिलीज होगी। इस फिल्म की कहानी एक एज गैप वाले कपल की लव स्टोरी है। इस बार भी अजय देवगन और रकुल प्रीत लीड रोल में होंगे। अजय देवगन ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' से जुड़ी अपडेट शेयर की है। फिल्म कब रिलीज होगी, यह फैंस को बताया है। फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' की रिलीज डेट 14 नवंबर 2025 है। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी शेयर किया गया है।

तुनिषा के जाने के बाद अब प्यार से डर लगता है

छोटे पर्दे पर पिछले 12-13 साल से एक्टिव रहे शीजान खान की जिंदगी में उस वक्त तूफान आ गया था, जब उन्हें तीन साल पहले को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड केस में जेल जाना पड़ा। हालांकि, जेल से बाइज्जत बरी होने के बाद शीजान ने अपनी दूसरी पारी शुरू की। जेल में 70 दिन बिताने के बाद जब शीजान वापस घर लौटे, तो यकीनन उनकी जिंदगी अब आसान नहीं थी। खास बातचीत में शीजान ने अपने करियर और निजी जिंदगी, दोनों पर खुलकर बात की है।

वह कहते हैं कि आज भी उन्हें कई बार नींद नहीं आती। तुनिषा के जाने के बाद दिल और दिमाग पर ऐसा असर पड़ा है कि अब प्यार से डर लगता है। शीजान अब टीवी पर गुम है किसी के प्यार में के बाद नए शो गंगा माई की बेटियां में सिद्धू के किरदार में चर्चा बटोर रहे हैं।

अपने नए शो के बारे में वह कहते है, हमारे इस शो में जेंडर डिस्क्रिमिनेशन का मुद्दा उठाया गया है। ये मैंने अपने आस-पास भी देखा है कि कैसे बेटे की चाहत में औरत पर लगातार बच्चे पैदा करने का दबाव डाला जाता है। ये कोई नहीं सोचता कि उस मां का क्या हाल होता होगा? बेटे के चक्कर में जो पूरी फौज इकट्ठा कर दी जाती है, यह सोच मुझे बहुत अखरती है।

बेटियां पराया धन होती हैं, इस बात से चिढ़ है शीजान को समाज में लड़की और लड़के के बीच किए जाने वाले भेदभाव पर कड़ा ऐतराज है। वह कहते हैं, मुझे सबसे ज्यादा बुरा तब लगता है, जब बेटियों को कहा जाता है, ये तो पराया धन हैं। मैंने खुद अपनी बहनों को कहा है कि ये तुम्हारा घर है। कल को शादी होने के बाद तुम्हें अपने घर में किसी भी तरह की कोई दिक्कत लगे, तो सीधे घर आ जाना। ये घर उसका ही है। मैं खुद महिलाओं के बीच पला-बढ़ा हूं। मेरी परवरिश मेरी मां और बहनों ने की है, तो मेरा फेमिनिन साइड मेरे मैस्कुलिन साइड से ज्यादा स्ट्रॉन्ग है। मैं अपने उस पहलू पर गर्व करता हूं। मेरा यही पक्ष मुझसे दूसरों से अलग भी बनाता है कि कम से कम मैं दूसरों का साइड समझने की कोशिश करता हूं।

जेल में रहने के दौरान मां और बहन बनीं सबसे बड़ा सहारा

अली बाबा- दास्तान-ए-काबुल से लोकप्रिय हुए शीजान खान, इसी शो में अपनी को-स्टार तुनिषा शर्मा के सुसाइड, और जेल जाने के उस दौर को याद करते हुए कहते हैं, मेरी जिंदगी का सबसे मुश्किल दौर तो वही था। मैं सोचता था कि खुद को संभालू कैसे? क्योंकि तूफान तो गुजर गया और बर्बाद करके गया, मगर उसके बाद का समय बहुत चैलेंजिंग था। मेरी सच्चाई और मेरा जज्बात खुदा जानता है और बहुत जल्द ये दुनिया भी जान जाएगी। उस मुश्किल समय में मेरा खुदा, मेरी मां और बहनें ही मेरा सबसे बड़ा सहारा थीं। ये ही लोग मेरे लिए लड़ीं और मेरे साथ खड़ी रहीं। आज जब मैं दोबारा अपने पैरों पर खड़े होकर अपने करियर को रिवाइव कर पाया, तो सबसे ज्यादा गर्व इन्हीं लोगों को हुआ है।

मेरी मां की दुआ काम आई

अपनी दूसरी पारी के बारे में शीजान कहते हैं, हमारी इंडस्ट्री बहुत छोटी-सी है। मैं यहां 12-13 साल से काम कर रहा हूं, तो लोग मुझे बहुत अच्छे से जानते हैं। उनको मुझ पर भरोसा था, मेरे घर वालों को मुझ पर भरोसा था। मैं भी जानता था कि मैं टूट चुका हूं, मगर बिखरूंगा नहीं। मेरी मां की दुआ थी, जो मुझे जेल से आने के बाद दूसरा मौका मिला। लोगों को तो वो भी नहीं मिलता। मुझे जो भी काम मिला है, मैं करता चला गया।

कई बार नींद नहीं आती...

तुनिषा शर्मा की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के बाद क्या शीजान को प्यार -मोहब्बत जैसी बातों से विरक्ति हुई है? इस पर वह कहते हैं, देखिए प्यार से डर लगता है अब। कभी -कभी नींद नहीं आती। मगर जिंदगी में आगे बढ़ना पड़ता है। मुझे म्यूजिक पसंद है। गजलें और शायरी में बहुत रुचि है। क़तील शिफ़ाई, अहमद फ़राज़, राहत इंदौरी साहब, बशीर बद्र, गुलजार जैसे तमाम शायरों को पढ़ता-सुनता हूं।

अवैध अतिक्रमण पर चला पीला पंजा, 1200 करोड़ की जमीन मुक्त कराई

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र में हो रहे अवैध अतिक्रमण के लिए मुख्य कार्यपालक अधिकारी राकेश कुमार सिंह के निर्देशों पर आज प्राधिकरण की और से बड़ी कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी अलीगढ व एसएसपी अलीगढ़ के निर्देशन के क्रम में विशेष कार्याधिकारी यीडा शैलेंद्र कुमार सिंह के नेतृत्व में टप्पल, हामिदपुर व स्यारोल, जनपद अलीगढ़ में बड़े स्तर पर बुलडोजर चलाया गया। इस अभियान में इन गांवों की लगभग 300 एकड़ अधिसूचित भूमि को कब्जा मुक्त कराया गया। जिसकी बाजारी कीमत लगभग 1200 करोड़ रुपए है।

अभियान के दौरान द ग्रैंड कॉलोनाइजर, वृंदावन कॉलोनी जैसी अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया गया।

शेलेन्द्र सिंह द्वारा अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध प्राधिकरण द्वारा लगातार अभियान जारी रखने तथा अवैध कॉलोनाइजरो के खिलाफ विधिक कार्यवाही करने की बात कही गई है तथा भोले भाले खरीददारों को ऐसे प्रॉपर्टी डीलरों से सतर्क रहने का भी संदेश दिया गया है ।

मौके पर प्राधिकरण के विशेष कार्याधिकारी शिवअवतार सिंह, विशेष कार्याधिकारी अभिषेक शाही, विशेष कार्याधिकारी कृष्ण गोपाल त्रिपाठी, पुलिस क्षेत्राधिकारी महेश कुमार, यीड़ा के पुलिस क्षेत्राधिकारी धर्मेंद्र कुमार चैहान समेत अलीगढ़ जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों समेत प्राधिकरण के परियोजना और भूलेख के विभिन्न अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे।

नोएडा में स्वदेशी संकल्प यात्रा का हुआ भव्य स्वागत

स्वदेशी ही आत्मनिर्भरता का मजबूत आधार : गिरीश कोटनाला

नोएडा (चेतना मंच)। स्वदेशी जागरण मंच और स्वावलंबी भारत अभियान के संयुक्त तत्वावधान में निकाली जा रही स्वदेशी संकल्प यात्रा सोमवार को गौतमबुद्ध नगर पहुंची। जिले में यात्रा प्रारंभिक चरण में ग्रेटर नोएडा के इंद्रप्रस्थ लॉ कॉलेज में विद्यार्थियों के साथ एक संवाद सत्र रखा गया जिसमें स्वदेशी जागरण मंच के प्रांत सह संयोजक प्रशांत महर्षि ने बताया किस प्रकार 'स्वदेशी का जागरण वर्तमान समय की आवश्यकता बन चुकी है। जिस प्रकार से विदेशी कंपनियों ने भारत के बाजार को जकड़ लिया है उसी प्रकार से जनमानस के मन मस्तिष्क पर भी विदेशी का प्रभाव बढ़ रहा है जिससे मुक्ति हेतु हमें प्रयास करने होंगे।' 'विदेशी कंपनियां भारत छोड़ो' के आह्वान के साथ कार्यकर्ताओं ने नोएडा सेक्टर 12 स्थित भाऊ राव देवरस सरस्वती विद्या मंदिर पर यात्रा का जोरदार स्वागत किया। इस दौरान व्यापारी सुरक्षा फोरम संस्थान नोएडा के ट्रस्टी आर के गर्ग, अध्यक्ष लवकेश गोयल, उपाध्यक्ष रोहतास गोयल, मनोज गोयल, पंकज गोयल की टीम ने पटके पहनाकर इस स्वदेशी संकल्प यात्रा को अपना समर्थन दिया। ततपश्चात यात्रा हरौला बाजार में व्यापार मार्ग से निकाली गई जिसमें विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं ने स्वदेशी और स्वावलंबन के नारे लगाते हुए यात्रा मार्ग में देशी विदेशी कंपनियों की सूची वाले पत्रक भी वितरित किये।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से गिरीश कोटनाला, प्रशांत महर्षि, आर के गर्ग, डीपी गोयल, डॉ शशांक शर्मा, डॉ जीत सिंह, डॉ सतीश कुमार, मनोज शर्मा, मयंक हिन्दू, लवकेश गोयल, राजकुमार, रोहतास गोयल, मनोज गोयल, विपिन चौधरी, किरण, सुनीता नयाल, कल्पना, प्रज्ञा पाठक, शिव कुमार, किरन झा, नीतू गुप्ता, सुषमा, वंदना, रजनी, काजल, पल्लवी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आईएमएस में रक्तदान शिविर का आयोजन

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-62 स्थित आईएमएस नोएडा में रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। संस्थान परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने रोटरी नोएडा ब्लड सेंटर के लिए रक्तदान कर समाज कार्य में अपनी भागीदारी निभायी। वहीं शिविर के दौरान संस्थान के विद्यार्थियों ने 54 यूनिट रक्तदान किया। रक्तदान शिविर का आयोजन आईएमएस स्टूडेंट वेलफेयर कमिटी के सहयोग से संपन्न हुआ।

रक्तदान शिविर के दौरान आईएमएस नोएडा के महानिदेशक प्रोफेसर (डॉ.) विकास धवन ने रक्तदान करते हुए कहा कि हमें खुशी है कि हम और हमारे छात्रों ने स्वैच्छिक रक्तदान में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है इच्छाओं से अपील करते हुए प्रो. धवन ने कहा कि हमारी कोशिश होनी चाहिए की हम रक्तदान के लिए तत्पर रहे। साथ ही वर्ष में कम से कम एक बार रक्तदान जरूर करें।

कार्यक्रम के दौरान आईएमएस के डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. गोविंद प्रसाद गोयल ने कहा कि रक्तदान हम सभी की सामाजिक जिम्मेदारी है। हमारे रक्तदान से किसी की जिंदगी बच सकती है, इसी भावना से रक्तदान करना चाहिए।

सांसद एवं विधायक खेल स्पर्धा की तैयारियों को लेकर बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। आने वाले महीनों में प्रस्तावित सांसद एवं विधायक खेल स्पर्धा के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय कक्ष में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में युवा कल्याण एवं खेल विभाग के अधिकारियों ने खेल स्पर्धा को लेकर की गई तैयारियों एवं कार्य योजना की विस्तृत जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभाग द्वारा सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर पुरुष/महिला वर्गों के लिए कुल आठ खेल विधाओं एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, वॉलीबॉल, फुटबॉल, भारोत्तोलन, जूडो एवं बैडमिंटन में प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी। इस दौरान विधायक दादरी तेजपाल नागर, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, अन्य जनप्रतिनिधियों सहित जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी महिपाल सिंह, प्रभारी खेल अधिकारी डॉ. परवेज अली, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी राहुल पवार सहित विभिन्न संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस वर्ष विशेष पहल के रूप में सांसद खेल स्पर्धा का आयोजन खेल विभाग द्वारा संसदीय क्षेत्र स्तर पर तथा विधायक खेल स्पर्धा का आयोजन युवा कल्याण विभाग द्वारा विधानसभा क्षेत्र स्तर पर कराया जाएगा। इस परिवर्तन के तहत अब प्रतियोगिताएँ विकासखंड स्तर के स्थान पर विधानसभा क्षेत्र स्तर पर आयोजित होंगी, जिससे प्रतियोगिता का दायरा और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों द्वारा अपने-अपने महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि खिलाड़ियों को वितरित किए जाने वाले पुरस्कार, प्रमाणपत्र एवं किट सामग्री आदि के संबंध में अग्रिम योजना तैयार कर ली जाए, जिससे प्रतियोगिता के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

16 अक्टूबर से फार्मर रजिस्ट्री के लिए चलेगा अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। शासन के निर्देशों पर कल से जनपद में फार्मर रजिस्ट्री के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। यह अभियान 15 नवंबर तक चलेगा।

उप कृषि निदेशक गौतमबुद्धनगर राजीव कुमार ने बताया कि जनपद में फार्मर रजिस्ट्री बनवाने के उद्देश्य से 16 अक्टूबर 2025 से 15 नवम्बर 2025 तक एक विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है। इस दौरान प्रत्येक राजस्व ग्राम में कैंप आयोजित कर फार्मर रजिस्ट्री का कार्य निर्धारित अवधि में पूर्ण कराया जाएगा।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि जिन कृषकों की फार्मर रजिस्ट्री अभी नहीं बनी है, वे अपने निकटतम जन सुविधा केन्द्र पर जाकर इसे बनवा सकते हैं। फार्मर रजिस्ट्री बनवाने के लिए कृषकों को आधार कार्ड, खतौनी एवं मोबाइल फोन साथ में अवश्य ले जाना होगा। इसके अतिरिक्त कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक, राजस्व विभाग के लेखपाल तथा पंचायत विभाग के पंचायत सहायक से भी संपर्क कर फार्मर रजिस्ट्री बनवाई जा सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की अगली किश्त बिना फार्मर रजिस्ट्री के प्राप्त नहीं होगी, साथ ही शासन की अन्य योजनाओं का लाभ भी केवल उन्हीं कृषकों को मिलेगा जिनकी फार्मर रजिस्ट्री बन चुकी होगी।

सभी कृषकों से अपील की गई है कि वे अपने आधार कार्ड, खतौनी एवं मोबाइल नम्बर के साथ जन सुविधा केन्द्र या संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर शीघ्र अपनी फार्मर रजिस्ट्री बनवाएँ, ताकि वे शासन की सभी कृषक हितकारी योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त कर सकें।

जेवर विधायक ने किया सिकंदराबाद-दनकौर मार्ग से जुनैदपुर मार्ग के कार्य का शुभारंभ

जेवर (चेतना मंच)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने सिकंदराबाद-दनकौर मार्ग से जुनैदपुर की मढ़ैया मार्ग तक बनने वाले इंटरलॉकिंग टाइल्स, सीसी रोड, ड्रैनेज तथा चौड़ीकरण के कार्य का शुभारंभ किया। यह कार्य लगभग 02 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत से होगा। मार्ग का शुभारंभ ग्रामवासियों एवं महिला कबड्डी खिलाड़ियों ने नारियल फोड़कर किया गया।

इस मौके पर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि गांवों की सड़कों को सुदृढ़ बनाना और ड्रेनेज व्यवस्था को दुरुस्त करना ग्रामीण विकास की सबसे पहली आवश्यकता है। जब सड़कें मजबूत होंगी तो गांवों की आर्थिक और सामाजिक प्रगति भी तेजी से होगी।

जेवर विधायक ने बताया कि लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत बनने वाले इस मार्ग का निर्माण कार्य अब ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा। इस मार्ग के तैयार हो जाने से आसपास के गांवों के लोगों को आने-जाने में बड़ी सुविधा मिलेगी।

इस मौके पर धीरेन्द्र सिंह ने विकास कार्य के शुभारंभ से पहले जनसंवाद के माध्यम से ग्रामवासियों की समस्याओं को सुना।

मुख्य न्यायाधीश के अपमान के विरोध में प्रदर्शन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। जिला अनुसूचित जाति कांग्रेस प्रकोष्ठ गौतमबुद्ध नगर के तत्वावधान में थापखेड़ा स्थित डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा के समक्ष सांकेतिक धरना-प्रदर्शन किया गया। यह प्रदर्शन देश के मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई पर जूता फेंके जाने की शर्मनाक घटना के विरोध में किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला चेयरमैन धर्म सिंह वाल्मीकि ने की। इस अवसर पर उन्होंने केंद्र सरकार की चुप्पी और उदासीन रवैये पर तीखा आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि देश की न्यायपालिका और संविधान की गरिमा पर हमला है। केंद्र सरकार की खामोशी यह साबित करती है कि वह दलित समाज और न्याय व्यवस्था के प्रति संवेदनशील नहीं है। महात्मा गांधी, डॉ. अंबेडकर और बाबा साहब के संविधान में हर नागरिक को समान सम्मान और सुरक्षा का अधिकार है—लेकिन आज वह भावना खतरे में है।

धरना स्थल पर प्रमुख रूप से जिला संगठन प्रभारी मुकेश शर्मा, कपिल भाटी, सचिन जीनवाल, कैलाश बंसल, रमेश बाल्मीकि, सचिन जीनवाल, सतीश बाल्मीकि, धीरे सिंह, राधा रानी, रमेश प्रधान, धर्मवीर सिंह प्रधान, वसील अहमद, ओमप्रकाश चंदेलिया, माँगेराम, रणवीर सिंह,भोपाल सिंह, राजबीर सिंह, बलजीत सिंह, रामबीर सिंह,गंगा सिंह, राजपाल, मनीष, प्रबुद्ध, विकास कुमार आदि लोग मौजूद रहे।